जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 205 प्रभात अजमेर, रविवार 23 फरवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प का अमेरिका के ''साम्राज्य'' का सपना, अमेरिका के विनाश व पतन का कारण बनेगा?

इतिहास में पहले भी हैप्सबर्ग वंश, स्पेन का राज्य, बुरबान फ्रांस की सल्तनत ने अपने खर्चे इतने ज्यादा बढ़ा लिये थे कि अन्ततोगत्वा इन सबका पतन ही हुआ

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। बड़े ताकतवर साम्राज्यों का पतन अचानक रातों रात नहीं होता वो अपनी ही महत्वाकांक्षाओं के बोझ तले दबकर खत्म हो जाते हैं। इतिहासकार नाइल फर्ग्यूसन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने बढ़ते हुए कर्ज का निपटारा नहीं किया तो इसका भी वही हश्र होगा जो पूर्व में महान साम्राज्यों का हुआ था।

अपने लेख ''डैट हैज़ ऑलवेज़ बीन द रुईन ऑफ ग्रेट पावर्स, इज़ द यू एस नैक्स्ट?'' में फर्ग्यूसन ने कहा कि डॉनल्ड ट्रम्प का विस्तारवादी विज़न-ग्रीनलैंड का विलय, कैनेडा को 51 वां राज्य बनाता और यूक्रेन व गाज़ा में दखलदांजी करना वित्तीय सीमाओं की अनदेखी करता है और अमेरिका के डाउनफॉल को तेज कर सकता है।

इतिहास यह दर्शाता है कि साम्राज्य न केवल बाहरी खतरों से बल्कि लापरवाह व बेतरतीब खर्च से भी गिरते हैं। फर्ग्यूसन ने अतीत के उदाहरण दिए- हैब्सबर्ग, स्पेनिश और बोरबॉन फ्रांस- जिन्होंने अपनी वित्तीय सीमा से बाहर जाकर खर्च किया अंततः उनका पतन हो गया।

एक अन्य इतिहासकार एडम फर्ग्यूसन की बात को दोहराते हुए, नाइल फर्ग्यूसन चेतावनी देते हैं कि युद्ध और विस्तार के लिए अत्यधिक उधारी भावी पीढ़ियों पर बोझ डालती है। एडम फर्ग्यूसन ने एक बार लिखा था, ''एक खर्च, चाहे वह घरेलू हो या विदेशी, चाहे वर्तमान में व्यर्थ हो या भविष्य की आय की प्रत्याशा में हो, अगर इसका कोई उचित प्रतिफल नहीं मिलता है, तो इसे राष्ट्रीय विनाश के कारणों में गिना जाना चाहिए।'' नाइल फर्ग्यूसन का कहना है कि उनकी ये बातें आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।

संख्याएँ एक मुश्किल कहानी बयान करती हैं। वर्ष 2024 में, अमेरिकी कर्ज सेवा (1.124 ट्रिलियन डॉलर) रक्षा खर्च (1.107 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक होगी-यह स्थिति आखिरी बार द्वितीय विश्व युद्ध से पहले के ''आइसोलेशनिस्ट अमेरिका'' में देखी गई थी। फर्ग्यूसन, जो डेलीमेल डॉट कॉम में लिखते रहे हैं, चेतावनी देते हैं कि बढ़ता कर्ज भू-राजनीतिक प्रभाव को कमज़ोर करता है। कांग्रेसनल बजट ऑफिस (सी.बी.ओ.) का अनुमान है कि 2049 तक संघीय कर्ज जी.डी.पी. का लगभग 5 प्रतिशत हो जाएगा। क्योंकि ब्याज भुगतान अधिक राजस्व को खा जाता है, भविष्य की कांग्रेसों के लिए रक्षा का बजट जुटाना कठिन हो सकता है, जिससे अमेरिका कमजोर हो सकता है।

- ट्रम्प की ग्रीन लैण्ड को अमेरिकी साम्राज्य का हिस्सा बनाने की, कैनडा को अमेरिका का इक्यावन वां प्रांत घोषित करने की, यूक्रेन व गाज़ा में हस्तक्षेप करने की, महत्वाकांक्षा से अमेरिका के खर्चे इतने बढ़ जायेंगे कि अनुपयोगी वित्तीय कर्ज, अमेरिका को ले डूबेगा। उदाहरण के लिए वर्ष 2024 में अमेरिका की ''डैट सर्विस'', कर्ज पर ब्याज आदि, अमेरिका के रक्षा बजट से भी ज्यादा 1.124 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, जबकि रक्षा मंत्रालय का बजट 1.107 ट्रिलियन डॉलर ही है।
- इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े साम्राज्य किसी बाहरी आक्रमण के कारण ही नहीं, बल्कि व्यर्थ (रैकलेस) खर्चों के कारण खत्म हो जाते हैं, क्या अमेरिका भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा व कलैक्टर करौली को अवमानना नोटिस

जयपुर, 22 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा व राजस्व विभाग से, 30 जून को रिटायर कर्मचारियों को अदालती आदेश के बावजूद वेतन परिलाभ का लाभ नहीं देने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्व मंडल रजिस्ट्रार व जिला कलेक्टर करौली को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश दामोदर गोयल व शिंभू दयाल शर्मा की अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने यह नोटिस अदालती आदेश के बाद भी 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारियों को वेतन परिलाभ नहीं देने पर दिये हैं।

याचिकाओं में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज़ वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 से प्रदेश के सभी अफसर व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता के लिए सालाना वेतन बढ़ोतरी की तारीख एक जुलाई तय की थी। ऐसे में 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिला। इस कारण उन कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, वरिष्ठता व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर तमिलनाडु ने नई शिक्षा नीति नहीं अपनाई तो केन्द्रीय सरकार ''एजुकेशन फंड'' रोक देगी?'

इस धमकी के जवाब में मु.मंत्री स्टालिन को सलाह दी जा रही है कि वे केन्द्रीय शुल्क (सैन्ट्रल टैक्स) देना बंद कर दें

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। त्रिभाषा फॉर्मूले पर न तो तमिलनाडु सरकार एक इंच भी झुक रही और न केन्द्र सरकार ही जरा सा भी झुकने को तैयार है। राज्य सरकार इसे हिन्दी थोपने की चाल के रूप में देख रही है तथा यह मुद्दा एक बड़ा रूप लेता दिखाई दे रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत, हिन्दी भाषा को लेकर हो रही राजनीति गर्म होती जा रही है तथा केन्द्र तमिलनाडु को दिये जाने वाले शिक्षा फंड को रोक सकता है। उधर, राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को उनके सहयोगी यह सलाह दे रहे हैं कि वे टैक्स अदा न करने पर विचार करें। दोनों ओर से ऐसी स्थिति आने पर, दोनों सरकारों के बीच का टकराव खतरनाक स्थिति तक पहुँच सकता है। हालाँकि, धीर-गंभीर लोग यह मानकर चल रहे हैं कि स्थिति इतने खतरनाक बिंदु तक नहीं पहुँचेगी और अगर ऐसी स्थिति आती है तो केन्द्र, राज्य सरकार को बर्खास्त कर सकता है।

भाषा का मुद्दा तमिलनाडु में तथा अन्य राज्यों में भी बहुत संवेदनशील मुद्दा रहा है। चेन्नई के राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि केन्द्र को तमिलनाडु से तीसरी भाषा, जो हिन्दी ही होगी, को स्वीकार करने के लिये नहीं कहना चाहिये। अगर ऐसा ही चलता रहा तो तमिलनाडु की जनता फिर से द्रमुक सरकार को चुनेगी, क्योंकि केन्द्र इस मुद्दे पर दबंगता से काम लेता दिखाई दे रहा है। पिछली बार, 1960 के दशक में, कांग्रेस के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने इस राज्य में हिन्दी थोपी थी तथा उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अगर, इस टकराहट के रास्ते पर दोनों सरकारें चलती रहीं तो केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार को बर्खास्त कर सकती है।
- राजनीतिक दृष्टाओं का मानना है, राज्य सरकार अभी तक शिक्षा का पुराने स्थापित ''थ्री लैंग्वेज फार्मूले'' का नई शिक्षा नीति के तहत अनुसरण करने को तैयार नहीं है। राज्य सरकार का मानना है कि थ्री लैंग्वेज फार्मूला का मतलब है, उन पर हिन्दी लादना, क्योंकि थर्ड लैंग्वेज तो हिन्दी ही होगी।
- तमिलनाडु सरकार के समर्थक मानते है कि अगर केन्द्रीय सरकार ने जोर-जबरदस्ती से नई शिक्षा नीति लादने का प्रयास किया तो केन्द्रीय सरकार (भाजपा) तमिलनाडु में शासन करने की उम्मीद छोड़ दे, क्योंकि 1960 के दशक में कांग्रेस ने ऐसा ही किया था और उसके बाद अभी तक कांग्रेस तमिलनाडु में सत्ता में नहीं आयी है।

उत्तराखंड के ''फॉरेस्टेशन फंड'' से आईफोन, लैपटॉप आदि खरीदे गये

सी.ए.जी. ने अपनी रिपोर्ट में इस दुरुपयोग पर कड़ी टिप्पणी की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। कॉम्पट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) ने एक रिपोर्ट में बताया है कि उत्तराखंड राज्य में वनारोपण के लिए निर्धारित धन राशि का उपयोग, व्यक्तिगत यात्राओं, आई-फोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर व स्टेशनरी खरीदने जैसी ''अस्वीकार्य गतिविधियों'' के लिए किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, 13.86 करोड़ रूपए ऐसी गतिविधियों के लिए डायवर्ट किए गए तथा राज्य सरकार ने केन्द्रीय सरकार को ''एनुअल प्लान ऑफ ऑपरेशन्स'' देर से दिया, जिसके कारण कई मामलों में लागत बढ़ गई।

यह ऑडिट रिपोर्ट, जो 2019-2022 के लिए क्षतिपूर्ति फंड प्रबंधन और योजना प्राधिकरण, (कम्पनसेटरी फंड मैनेजमैंट एण्ड प्लानिंग अथॉरिटी (सी.ए.एम.पी.ए.)) से संबंधित है, में यह भी बताया गया है कि 52 मामलों में 188.62 हेक्टेयर वन भूमि गैर-वन उद्देश्यों के लिए यूज़र एजेंसियों को आवंटित की गई थी। उपयोगकर्ता (यूज़र) एजेंसियों ने बिना अनुमति के वन क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरु कर दिया और वन विभाग ने वन भूमि के अवैध उपयोग का संज्ञान नहीं लिया और इन मामलों को वन अपराध के रूप में दर्ज किया।

सर्वेक्षण का समय राज्य में भाजपा शासनकाल से मेल खाता है, जब 2017 विधानसभा चुनावों में पार्टी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- रिपोर्ट के अनुसार, 188.62 हैक्टेयर वन भूमि का गैर वानिकी कार्य के उपयोग किया गया तथा राज्य सरकार ने इसके एवज में 188.62 हैक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई, वन विकसित करने के लिये।
- पर, पेड़ तो नहीं लगाये गये तथा इसके लिये उपलब्ध कराई गई राशि का उपयोग आईफोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर तथा स्टेशनरी खरीदने में किया गया।
- और वन भूमि के गैर वानिकी उपयोग के आठ साल बाद तक ये पेड़ नहीं लगाये गये, जबकि कानूनी प्रावधान है कि गैर वानिकी उपयोग के एक साल में नये पेड़ लग जाने चाहिए।

कांग्रेस विधायकों का विधानसभा में धरना

जयपुर, 22 फरवरी। कांग्रेस विधायकों के निलंबनको लेकर विधानसभा में लगातार धरना जारी है। सरकार की ओर से गतिरोध तोड़ने के लिए अलग-अलग दौर में वार्ता की गईं, लेकिन सरकार की ओर से की गई वार्ता बेनतीजा रहीं। देर रात को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जवाहरसिंह बेढम, श्रीचंद कृपलानी सहित कई नेताओं ने कांग्रेस के सदस्यों से वार्ता की, लेकिन वार्ता बेनतीजा निकली। कांग्रेस के सदस्यों के द्वारा विधानसभा में धरना जारी रहेगा।

- गतिरोध तोड़ने के लिये अलग-अलग दौर में हुई वार्ता असफल रही है।

शुक्रवार को कार्रवाई की गई थी। शुक्रवार देर रात तक सरकार से वार्ता का दौर चला, लेकिन बात नहीं बनी थी। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन में ही रात गुजारी और धरने के दौरान कांग्रेस विधायकों ने रामधुन भी की। धरने पर बैठे निलंबित विधायक संजय कुमार जाटव और जाकिर हुसैन गैसावत की तबीयत बिगड़ गई थी। कांग्रेस विधायकों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प के नागरिकता संबंधी आदेश का विरोध करने वाले ज्यादा भावुक व आक्रामक हैं

दूसरी तरफ आदेश का समर्थन करने वालों में आदेश के पक्ष में जुनून नहीं है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 फरवरी। जनवरी में जब डॉनल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद का कार्यभार ग्रहण किया था तब उन्होंने जन्मजात नागरिकता को पुनः परिभाषित करने के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया था। आदेश कहता है कि अमेरिका में जन्मे उन्हीं बच्चों को नागरिकता दी जाएगी जिनके माता-पिता में से कोई एक अमेरिका का स्थायी नागरिक होगा। यह 150 साल से प्रजलित जन्मजात नागरिकता के सिद्धांत से प्रमुख बदलाव था और जिसे अब अमेरिका की कई अदालतों में चुनौती दी गई है।

पिउ रिसर्च सैंटर सर्वे बताता है कि 56 प्रतिशत अमेरिकन वयस्क नागरिकता संबंधी ट्रम्प के आदेश को स्वीकार नहीं करते हैं, सिर्फ 43 प्रतिशत ने इसे स्वीकार किया है अस्वीकार करने वालों का प्रतिशत ज्यादा है, 40 प्रतिशत इसका जोरदार विरोध करते हैं वहीं सिर्फ 23 प्रतिशत हैं जो इसका जोरदार समर्थन करते हैं।

एग्ज़ीक्युटिव ऑर्डर पर राय नस्ल, जातीयता आयु के आधार पर भिन्न भिन्न है। अश्वेत, हिस्पैनिक और एशियाई मूल के लोगों द्वारा इसका विरोध करने की संभावना समर्थन की संभावना से अधिक है। अश्वेत वयस्कों में अस्वीकृति सर्वाधिक 74 प्रतिशत है वही एशियाई वयस्कों का एक छोटा तबका 56 प्रतिशत भी इसका विरोध करता है। श्वेत वयस्कों में राय अलग-अलग है 51 प्रतिशत इस निर्णय के पक्ष में हैं तथा 49 प्रतिशत विरोध में हैं।

युवा वयस्कों द्वारा भी ट्रम्प के निर्णय का विरोध करने की संभावना कम है। तीस वर्ष से कम आयु के 36 प्रतिशत लोग ही इस निर्णय के पक्ष में हैं जबकि 63 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं, 30 से 49 वर्ष के अधिकांश लोग इसका विरोध करते हैं, 41 प्रतिशत इसके पक्ष में हैं 59 प्रतिशत विरोध में हैं, 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के अधिकांश लोगों की राय भी इस पर विभाजित हैं, जहां 48 प्रतिशत इसके पक्ष में हैं वहीं 52 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं।

इस मुद्दे पर राय मुख्य रूप से राजनीतिक रुझान के अनुसार विभाजित हैं। अधिकांश डेमोक्रेट्स इस आदेश का विरोध करते हैं, जबकि अधिकांश रिपब्लिकन इसका समर्थन करते हैं। हालांकि, डेमोक्रेट्स का विरोध रिपब्लिकन समर्थन की तुलना में अधिक व्यापक और तीव्र है। डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेटिक रूझान वाले स्वतंत्र लोगों में से 84 प्रतिशत इसका विरोध करते हैं, जिसमें 68 प्रतिशत लोग इसका बहुत भारी विरोध करते हैं। वहीं, 72प्रतिशत रिपब्लिकन और रिपब्लिक रूझान वाले स्वतंत्र लोग इसका समर्थन करते हैं, जिनमें से 42 प्रतिशत मजबूत समर्थन व्यक्त करते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्यु रिसर्च सैन्टर द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार, 56 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक इस आदेश के खिलाफ हैं व केवल 43 प्रतिशत इस आदेश का समर्थन करते हैं।
- साथ ही विरोध करने वालों में 40 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनके मन में इस आदेश के खिलाफ जुनून जैसा ''पैशन'' है और वे भारी विरोध में हैं, जबकि आदेश का समर्थन करने वालों के मन में आदेश के पक्ष में जुनून जैसी भावना नहीं है और समर्थन करने वालों में केवल 23 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जो भारी समर्थन में हैं।
- क्या इसका मतलब है, समर्थन तार्किक है, पर, विरोध, भावना प्रधान व नैतिक मूल्यों पर आधारित है।

रेत में दबने से 5 मजदूरों की मौत

जालना, 22 फरवरी। महाराष्ट्र के जालना में शनिवार को एक निर्माण स्थल पर बने श्रमिकों के अस्थायी 'शेड' पर ट्रक से गिराए गए रेत के कारण उसमें सो रहे पांच मजदूरों की दबकर मौत हो गई। जान गंवाने वालों में एक नाबालिग भी शामिल है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जाफराबाद तहसील के पासोडी-चंदोल में एक पुल परियोजना स्थल पर तड़के हुई।

- निर्माण स्थल पर अस्थाई ''शैड'' में मजदूर सो रहे थे। ट्रक ने उस शैड पर रेत गिरा दी जिससे यह हादसा हुआ।

उन्होंने बताया कि मजदूर निर्माण स्थल पर बने एक अस्थायी शेड में सो रहे थे कि तभी चालक रेत से भरा 'टिपर' ट्रक लेकर वहां पहुंचा और उसने अनजाने में वहीं शेड पर ही पूरा रेत गिरा दिया,जिससे मजदूर उसके नीचे दब गए। सूत्रों के मुताबिक, रेत के भार से शेड ढ़ह गया, जिसके बाद ट्रक चालक घटनास्थल से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''एडहॉकिज़्म'' कार्यवाहक अधिकारियों की नियुक्तियों का ''फैशन'' जारी रहा, तो क्या मैडिकल शिक्षा क्षेत्र स्वस्थ रहेगा?

आर.यू.एच.एस. में वी.सी. की नियुक्ति के लिए गठित सर्च समिति ने वर्तमान कार्यवाहक वी.सी. को अयोग्य माना, फिर भी वे पद पर कायम क्यों हैं?

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 22 फरवरी। प्रदेश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों में से एक राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आर.यू.एच. एस.) लगभग 10 महिने से काम चलाऊ वाइस चांसलर (वी. सी.) के भरोसे ही चल रहा है और हैरानी की बात है कि नौ महीने से डॉ. धनजय सिंह कार्यवाहक वी. सी. पद पर कार्यरत हैं, जबकि डॉ. धनंजय अग्रवाल राजस्थान यूनिवर्सिटी एक्ट (संशोधित), 2017, के तहत इस पद पर नियुक्त होने के लिए योग्य भी नहीं हैं। नियमानुसार, अस्थाई नियुक्ति के लिए भी, केवल किसी अन्य विश्वविद्यालय के वी. सी. को चार्ज दिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. धनन्जय अग्रवाल आर.यू.एच.एस. में कार्यवाहक वी. सी. की नियुक्ति से पूर्व एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज में नैफ्रोलॉजी विभाग में प्रोफेसर के पद पर नियुक्त थे, यानि वे प्रिंसीपल मेडिकल कॉलेज से भी कनिष्ठ पद पर थे, फिर भी उन्हें वी. सी. बना रखा है।

इस मामले में और भी नाटकीय और चौंकाने वाला घटनाक्रम यह भी है कि राज्यपाल के कार्यालय से पांच बार पत्र आने के बाद, दिसम्बर,2024, में आर.यू.एच.एस.में वी. सी. की नियुक्ति हेतु चयन समिति का गठन कर लिया गया, जिसके बाद चयन समिति ने उपयुक्त उम्मीदवारों के आवेदन दायर करने के लिए 10 जनवरी, 2025, आखिरी तारीख तय की। चयन समिति को 40 उम्मीदवारों के आवेदन मिले थे, जिसमें से आठ उम्मीदवारों का चयन कर सूची प्रकाशित भी की गई थी, और इन सभी उम्मीदवारों का फाइनल इन्टरव्यू 28 जनवरी को हुआ। जैसी कि उम्मीद की जा रही थी, आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक वी. सी., डॉ. धनन्जय अग्रवाल का नाम इन आठ की सूची में नहीं था।

जिन आठ डॉक्टरों के नाम प्रकाशित किये गये थे, उनमें, डॉ. एस.एम. शर्मा, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. वी.बी. सिंह, डॉ. लाखन ओसवाल, डॉ. पंकजा, डॉ. योगेश सरीन, डॉ. भगवन्त रॉय मित्तल और डॉ. प्रमोद गोविन्द राव येवले शामिल थे।

जैसा कि विदित है, 28 जनवरी को सूची जारी होने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से कार्यवाहक वी. सी. को हटाकर स्थाई वी. सी. को नियुक्ति नहीं दी जा रही है। अस्थाई नियुक्तियों के प्रति इस सरकार लगाव यही खत्म नहीं होता है। जयपुर में 8 और प्रदेश के 30 से भी अधिक अस्पतालों में अधीक्षकों की अस्थायी नियुक्ति हो रखी हे। गत 6 माह में दो बार नियुक्ति करने के लिए आवेदन मांगे गए हैं, परन्तु नियुक्तियां नहीं हो रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हैरानी की बात है कि राज्यपाल द्वारा कई बार पूछे जाने के बाद सर्च समिति का गठन किया गया। फिर 8 उपयुक्त व चयनित डॉक्टरों का सर्च समिति ने 28 जनवरी को फाइनल इंटरव्यु भी ले लिया।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि राज्यपाल, जो आर.यू.एच.एस. के कुलपति भी हैं, ने विश्वविद्यालय के वर्तमान व कार्यवाहक वी.सी. की कार्यशैली के खिलाफ पत्र में कड़ी टिप्पणी भी की है। परन्तु, फिर भी वर्तमान वी.सी. को उनके पद से मुक्त नहीं किया जा रहा है।
- अस्थायी अफसरों की नियुक्ति का सिलसिला केवल आर.यू.एच.एस. के वी.सी. तक ही सीमित नहीं है। जयपुर के 8 अस्पताल व प्रदेश में 30 से भी अधिक अस्पतालों में मैडिकल सुपरिन्टैन्डैंट्स की अस्थायी नियुक्ति हो रखी है।

शक्तिकांत दास प्रधान मंत्री के दूसरे प्रधान सचिव बने

नई दिल्ली, 22 फरवरी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूसरा प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। गुजरात कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी, पी के मिश्रा इस समय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, तमिलनाडु कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी दास का कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल तक या अगले आदेश तक होगा। आदेश में कहा गया, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (रिटायर्ड) को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव - 2 के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

- तमिलनाडु कैडर के पूर्व आईएएस, दास पूर्व में रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके हैं।

दास ने एक सिविल सेवक के रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब तुम्हारे पड़ौसी के घर में आग लगी हो, तो तुम्हारी संपत्ति पर भी खतरा है। –होरेस

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्राय: 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं: वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई.पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलत: अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अत: स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रय चिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है।

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थाततः युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंततः आयुर्वेद पूर्णतः वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलत: काय चिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलत: शल्य चिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखी कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में पृथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यपि आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

आधुनिक वास्तुकला एवं भारतीय विरासत

अविनाश जोशी

आधुनिक वास्तुकला का संरक्षण एक सवालिया निशान के कटघरे में खड़ा है। जो भारतीय आर्किटेक्ट्स के लिए चिंता का विषय है। खासकर स्वतंत्रता के बाद की इमारतों के विध्वंस और योजनाबद्ध विध्वंस की श्रृंखला के बाद भारत यूरोपीय उपनिवेशवाद के लंबे दौर से उभर रहा है और आधुनिक युग की कलाओं और वास्तुकला के बीच अपनी परंपराओं को सहेजने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यूरोपीय प्रभाव अभी भी इस विधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि क्या भारतीय है और क्या महज़ नकल है। भारतीय वास्तुकारों के लिए यह एक चुनौती भरा कार्य है। आज के समय में भारतीय वास्तुकारो के लिए ऐसी शैली बनाना कठिन हो रहा है जो एक उभरती हुई भारतीय सभ्यता को बाकी दुनिया और अपने निवासियों के सामने पर्याप्त रूप से प्रस्तुत कर सके।

शहरों की योजना बनाने में वास्तुकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और सभ्यता के अवशेष बड़े पैमाने पर पीछे छोड़ी गई इमारतों के माध्यम से देखे जाते हैं। वास्तुकारों से कहा जाता है कि वे इतिहास को याद न करें, लेकिन पिछली सभ्यताओं द्वारा बनाए गए डिज़ाइन के सभी खजानों – नालंदा, साँची और एलोरा – को नज़रअंदाज करना कैसे संभव है? आज हम चौकोर और गोल गगनचुंबी इमारतों की साधारण इमारतों में सिमट कर रह गए हैं, जो यह दर्शाती हैं कि बड़ी संख्या में लोग समृद्धि और विकास को क्या कहते हैं। एक विशिष्ट भारतीय सभ्यता बनाने का टैगोर का दृष्टिकोण तेजी से लुप्त हो रहा है क्योंकि उपमहाद्वीप की इमारतें दुबई और सिंगापुर की छोटी रियासतों की नकल करने की कोशिश कर रही हैं। हालाँकि, ये प्रतिकृतियाँ वैश्विक शहरों में देखे जाने वाले आधुनिक युग के आश्चर्यों की गुणवत्ता या पैमाने से मेल नहीं खाती हैं। क्या हमारी वर्तमान सभ्यता अब से कुछ सदियों बाद मुड़ी हुई धातु के ढेर और कांच के टुकड़ों के रूप में देखी जाएगी?

भारत का कोई भी शहर आधुनिक शहर के लिए कोई समाधान प्रस्तुत नहीं करता है। वे सभी तेजी से रहने लायक नहीं रह गए हैं, जिससे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग गोवा, हिल स्टेशनों या विदेश में दूसरे घरों की तलाश कर रहे हैं।

वास्तविक परिवर्तन देखने का मौका तब मिला जब शेष आंध्र प्रदेश राज्य के लिए एक राजधानी की परिकल्पना की गई। बौद्ध राजधानी के नाम पर इसे अमरावती कहा जाना था जो इस क्षेत्र के पुराने साम्राज्यों का केंद्र था। बहुत कम लोग जानते हैं कि उस भूमि, जो अब आंध्र प्रदेश है, में लोग 800 वर्षों तक बौद्ध धर्म का पालन करते रहे। हालांकि, कई प्रयासों के बाद, वर्तमान राज्य सरकार ने तीन राजधानी क्षेत्र बनाने का फैसला किया और सत्ता का विकेंद्रीकरण किया गया – लंबाई को देखते हुए एक स्मार्ट निर्णय राज्य। लेकिन इन विभिन्न राजधानियों में उपनगरों की संख्या अधिक थी जहां कंक्रीट और कांच पनपते हैं।

यह सब बहुत निराशाजनक लगता है और वास्तव में ऐसा है। भारतीय वास्तुकला और उसके आवास का भविष्य गोवा में कुछ भव्य विला और मुंबई और दिल्ली में कुछ बड़े वातानुकूलित फ्लैटों द्वारा दर्शाया गया है। इसलिए वास्तुकारों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे शहर के परिदृश्यों को एक साथ लाने का प्रयास करें और नए डिजाइन तैयार करें जो समुदाय-संचालित हों। मुंबई का एक उपनगर कोलाबा, एक ऐसी बस्ती का उत्कृष्ट उदाहरण है जहाँ अमीर और गरीब एक साथ मिलते हैं और पूर्ण जीवन जीते हैं। यह शक्तिशाली अधिकतम शहर का एक सूक्ष्म रूप है और एक ऐसी जगह है जहां सब कुछ उपलब्ध है और विरासत इमारतों को कुछ सुरक्षा प्रदान की जाती है। इमारतों का पुन: उपयोग किया जा रहा है और एक उत्कृष्ट उदाहरण एक पूर्व गोदाम के अंदर बनाया गया कैफे है जो जल गया था और बाहरी हिस्सा बरकरार रखा गया था। एक अन्य प्रसिद्ध नवीकरण बैलार्ड एस्टेट में एक बर्फ फैक्ट्री है जिसे घटनाओं के लिए एक आधुनिक गैलरी और प्रदर्शनी स्थल में बदल दिया गया है।

चारमीनार पर केन्द्रित हैदराबाद का पुराना शहर भी आधुनिक राजधानी के महानगर के भीतर एक स्वतंत्र बस्ती है और आधुनिक हैदराबाद की अराजकता से काफी स्वतंत्र है। इसकी प्राचीनता के कारण, निवासी अपनी अर्थव्यवस्था के साथ एक द्वीप पर रहते हैं और काम करते हैं। भारत के कई अन्य शहरों में ये गुण हैं – जिनमें जोधपुर, लखनऊ और कोलकाता सबसे बड़े हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में मंदिरों, मस्जिदों, महलों और किलों की महान स्थापत्य परंपरा रही है। यहां तक कि जब भी हम भारतीय वास्तुकला के संदर्भ में सोचते हैं, हमारे मस्तिष्क में ताजमहल, फ़तेहपुर सीकरी और दक्षिण भारत के मंदिरों का चित्र बन जाता है।

आर्किटेक्ट इन नुकसानों पर दुख व्यक्त करते हैं क्योंकि वे अपने सर्वोत्तम मूल्यों को अपनाते हैं और देश की प्रगति, आविष्कार और वास्तुकला के योगदान पे बाते करते है इन अनुकरणीय संरचनाओं के बिना, वे चिंतित हैं कि पहले से ही संकटग्रस्त पेशा और अधिक तकलीफ में आ जाएगा।

कुछ प्रमुख कारकों ने आधुनिक वास्तुकला को इस स्थान पर ला खड़ा किया है। सबसे पहले, उम्र को विरासत के गठन के प्राथमिक निर्धारक के रूप में रखा जा रहा है। दूसरा, भारतीय वास्तुकला विमर्श आधुनिक वास्तुकला पर गैर-स्वदेशी होने का संदेह जताता है। तीसरा है आधुनिक वास्तुकला का नए के प्रति व्यस्त रहना और अपनी प्रासंगिकता स्थापित करने के लिए इतिहास को नकारना। चौथा, इमारतों के उपयोग और विनिमय मूल्यों के बीच संघर्ष है, जो हाल ही में तेज हो गया है क्योंकि प्रीमियम भूमि पर लगाया गया है, न कि उस इमारत पर जो उस पर खड़ी है। किसी संरचना को विरासत घोषित करने में उसकी उम्र एक प्रमुख निर्धारक रही है। भारत में ऐसा माना जाता है कि केवल 100 वर्षों तक जीवित रहने वाली संरचनाएं ही विरासत के रूप में योग्य हैं और कानूनी सुरक्षा प्राप्त कर सकती हैं। दीर्घायु प्रमुख निर्धारण परीक्षण है। धारणा यह है कि संरचनाओं के महत्व का आकलन करने के लिए पर्याप्त वर्षों की आवश्यकता होती है, और इसलिए, जितनी पुरानी होगी, उतना बेहतर होगा।

इस संदेह को चुनौती दी जानी चाहिए कि आधुनिक इमारतें स्वदेशी नहीं हैं और इसे ठीक किया जाना चाहिए। भारत में आधुनिक वास्तुकला को यूरोपीय और अमेरिकी वास्तुकला की छाया के रूप में देखा जाता है। भारत में प्रारंभिक आधुनिक वास्तुकला को इसकी स्थितियों की एक आश्वस्त अभिव्यक्ति और एक स्वतंत्र देश की प्रगतिशील दृष्टि का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मुक्तिदायक परियोजना के रूप में देखा जाने लगा है।

आधुनिक वास्तुकला को विध्वंस से बचाने के लिए उसके मूल्य को परिभाषित करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी वास्तुकारों की है। किसी आधुनिक इमारत की सुरक्षा करना केवल संरचना की लंबी उम्र तक ही सीमित नहीं है। किसी भवन का पुन: उपयोग या उसे अन्य उपयोग के लिए अनुकूलित करने से भवन निर्माण सामग्री के उत्पादन में खर्च होने वाली ऊर्जा की बचत होती है, जो ध्वस्त होने पर बर्बाद हो जाएगी। पुन: उपयोग से मौजूदा संरचना के स्थान पर नई संरचना के निर्माण में खर्च होने वाली ऊर्जा की भी बचत होती है। कई नए निर्माणों को देखते हुए, ऐसे उपायों से बड़ा अंतर आएगा। अनुभवजन्य रूप से यह प्रदर्शित करना महत्वपूर्ण होगा कि ऐतिहासिक इमारत का पुन: उपयोग या विस्तारित उपयोग कितना बचाता है और यह एक अच्छा पर्यावरणीय निर्णय कैसे है। आधुनिक वास्तुशिल्प स्थलों की मरम्मत चुनौतीपूर्ण हो सकती है। अहमदाबाद स्टेडियम की तरह कंक्रीट संरचनाओं को संरक्षित करना चुनौतीपूर्ण है। आधुनिक इमारतों में उपयोग की जाने वाली ग्लेज़िंग केवल कभी-कभी ही ऊर्जा कुशल होती है। नाजुक आधुनिक सामग्रियों और संरचनाओं के संरक्षण के लिए आवश्यक तकनीकें और ज्ञान अभी भी विकसित हो रहे हैं। इन चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। लेकिन जिस चीज़ की तत्काल आवश्यकता है वह आधुनिक वास्तुकला के मूल्य के बारे में धारणा में बदलाव है, हम उनका आकलन कैसे करते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार

जिला मुख्यालय पर चूरू महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ

'जिले में चूरू महोत्सव 18 साल बाद आयोजित किया जा रहा है, यहां के हुनर को एक मंच मिले, इसी प्रयास के साथ यहां की छिपी हुई कला को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा'

विधायक हरलाल सहारण सहित अतिथियों ने चूरू महोत्सवका विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति दी।

- **'चूरू का इतिहास बहुत ही गौरवमयी रहा है, हम यहां की समृद्ध विरासत को सहेजें और भावी पीढ़ी को भी यह विरासत में दें'**
- **अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर क्राफ्ट बाजार का उद्घाटन किया और बाजार का अवलोकन किया**

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर शनिवार को चूरू महोत्सव-2025 का शुभारंभ हुआ। पुलिस लाइन मैदान में बनाए गए कला मंच पर मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सहारण ने चूरू महोत्सव-2025 का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि जिले की ऐतिहासिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करने की दिशा में जिला मुख्यालय पर हो रहे चूरू महोत्सव को हम सबकी सक्रिय भागीदारी से एक सफल आयोजन बनायेंगे। चूरू का इतिहास बहुत ही गौरवमयी रहा है। हम यहां की समृद्ध विरासत को सहेजें और भावी पीढ़ी को भी यह विरासत में दें। हम यहां की परंपराओं और संस्कृति का संचार करें और लोकरंग का आनंद लें। उन्होंने कहा कि जिले में चूरू महोत्सव 18 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। यहां के हुनर को एक मंच मिले, इसी प्रयास के साथ यहां की छिपी हुई कला को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि हम सब अपने संबंधित प्रयासों से जिले की संस्कृति व सांस्कृतिक परंपराओं का संवर्द्धन व संरक्षण करें। यहां के हुनरबाजों के हुनर को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हम नई पीढ़ी को परंपराओं, संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत से जोड़ें और गौरवगाथा से उन्हें परिचित करवाएं। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुये अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान एसपी जय यादव, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, एसीईओ दुर्गा ढ़ाका, मदनलाल, नरेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. मंगल जाखड़, नगेंद्र सिंह सहित अधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सभापति विजय शर्मा, सुशील लाटा, धर्मेंद्र राकसिया, दौलत तंवर, दीनदयाल सैनी, सुरेश सारस्वत, नरेंद्र कंवल, हेम सिंह, भास्कर शर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी विद्यार्थी व नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रीति सक्सेना व बजरंग हर्षवाल ने किया।

क्राफ्ट बाजार का उद्घाटन कर किया अवलोकन :- इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव, प्रधान दीपचंद राहड़, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर क्राफ्ट बाजार का उद्घाटन किया और भ्रमण कर क्राफ्ट बाजार का अवलोकन किया। अतिथियों ने क्राफ्ट बाजार में राजीविका द्वारा लगाई गई स्टालों व विभिन्न विक्रेताओं द्वारा लगाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने समारोह स्थल पर लगाई गई कला दीर्घा में फोटो, पेंटिंग, स्केच आदि कलाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहना की।

राशिफल रविवार 23 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र सायं 6:43 तक, वज्र योग दिन 11:19 तक, विष्टि करण दिन 1:36 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 6:43 तक है। आज भद्रा सायं दिन 1:56 तक है। शनि अस्त पश्चिम दिन 2:51 पर होगा। आज स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:25 से 9:50 तक, लाभ-अमृत 9:50 से 12:40 तक, शुभ 2:05 से 3:30 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 6:20

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों में राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना हेगा।

संक्षिप्त

सर्वेश्वर मित्र मंडल की बैठक 23 को

अजमेर। श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल अजमेर की फरवरी माह की मासिक बैठक 23 फरवरी रविवार को सांय 4 बजे संस्था अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री गौड़ ब्राह्मण सभा भवन, रेलवे सरक्युलर रोड़, डी आर एम ऑफिस के पास अजमेर में रखी गयी है। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल व महासचिव प्रवीण अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ ईश वंदना के साथ होगा इसके बाद महासचिव प्रवीण अग्रवाल द्वारा गत मासिक बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन कराया जायेगा तत्पश्चात संस्था सदस्यों द्वारा भजन, ज्ञानवर्धक संस्मरण, सांस्कृतिक तथा मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।

'सीएम मांगे जनता से माफी'

अजमेर। कांग्रेस के पूर्व विधायक गोपाल बाहेती ने शुक्रवार को विधानसभा में भाजपा के मंत्री द्वारा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी का विरोद्ध करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से माफी मांगने की मांग की है। गोपाल बाहेती ने कहा कि जिस इन्दिरा गांधी को बीजेपी के शीर्ष नेता पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न अटल बिहारी ने दुर्गा कहा, जिस इंदिरा गांधी ने भूगोल बदला, अमेरिका के सातवें बेड़े को ललकारा, गुट निरपेक्ष देशों को ताकत दी, बैंक राष्ट्रीय करण किया, बीस सूत्री कार्यक्रम लाकर गरीबी को ललकारा, प्रिवी पर्स बंद किया और विकास को गांव ढाणी तक पंहुचाया ऐसी भारत रत्न इन्दिरा गांधी का उपहास बीजेपी के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करता है। इसको लेकर राजस्थान के मुख्य मन्त्री को अपने मंत्री के कृत्य पर प्रदेश, देश की जनता से माफ़ी माँगना चाहिए।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर का निरीक्षण

मसूदा। शनिवार को धोलादाता मसूदा में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री शिविर का जिला प्रभारी विश्राम मीणा ने निरीक्षण किया। शिविर में संचालित काउंटर्स पर जाकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को समझा और आ रही तकनीकी समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी। शिविर में काम कर रहे कार्मिकों से बातचीत कर शिविर में अधिकाअधिक रजिस्ट्रेशन करने हेतु प्रोत्साहित किया और शिविर को समय अवधि पर संचालित करने के लिए कहा कि शिविर में आया हुआ कोई भी किसान बिना रजिस्ट्रेशन से ना जाए। तकनीकी समस्याओं के ऊपर भी उन्होंने फीडबैक लिया। इस दौरान उपस्थित किसानों को फार्मर रजिस्ट्री आईडी भी वितरित की।निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खडगावत उपखंड अधिकारी दिव्यांश सिंह अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया, एसीईओ गोपाल लाल सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

विवाहिता व युवक ने फांसी लगाई

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। किशनगढ़ क्षेत्र में दो अलग अलग घटना में एक विवाहिता सहित युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जोगियो का नाड़ा निवासी मृतका नीरज (22) पत्नी छोटूनाथ है। वह अपने ससुराल बडली से यहां किशनगढ़ पीहर आई हुई थी। पीहर में ही नीरज ने फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। किशनगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इसके अलावा मदनगंज थाना अंतर्गत राजारेड्डी में एक युवक ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। मृतक पूनम (28) पुत्र सोहन बागरिया है। तीन बेटियों के पिता पूनम की पत्नी मजदूरी करने गई हुई थी, पिछे से इसने कमरे में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने प्रकरण पंजीकृत कर तप्तिश शुरू कर दी है।

दिलवाई पर्यावरण संरक्षण की शपथ

नागौर ,। राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम प्लास्टिक मुक्त हो अपना देश पर बच्चों को पॉलीथीन का उपयोग न करने एवं इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया, इसका उपयोग न करके हम किस प्रकार से पर्यावरण को स्वस्थ कर सकते हैं एवं इससे होने वाले पशुओं की मृत्यु को कैसे रोका जा सकता है। आज से पॉलिथीन का उपयोग न करने एवं पर्यावरण संरक्षण का बच्चों को संकल्प दिलाया गया। इसी के साथ प्राध्यापक नरेश कुमार ने बच्चों को अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सभी बच्चों को गर्मी के मौसम में अपने अपने घर पर पक्षियों के लिए चुगे पानी की व्यवस्था करे ।। इस दौरान सुरेश चांगल, पवन कुमार उपस्थिति रहे।

कांग्रेसियों ने फूंका मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला

अजमेर कलेक्ट्रेट पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला जलाया।

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर कांग्रेस की ओर से शनिवार को रैली निकाल कर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला भी जलाया। साथ ही सदन में मंत्री अविनाश गहलोत के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग की।

शहर अध्यक्ष विजय जैन, कांग्रेस नेता राकेश पारीक, महेंद्र सिंह रलावता, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर के नेतृत्व में कांग्रेसियों जिला कलक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया और कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला फूंका। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राकेश पारीक ने कहा कि विधानसभा में जो घटना हुई और घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित 6 विधायकों को निलंबित किया गया। यह तानाशाहीपूर्ण रवैया है। यह अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने की है। इन लोगों से यही आशा की जा सकती है। लेकिन अजमेर जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ता उनकी तानाशाही का मुकाबला करेगा और मुंह तोड़ जवाब देगा।

पूर्व मंत्री नसीम अख्तर ने कहा कि सरकार के मंत्री ने जो टिप्पणी की गई उसकी निंदा करती हूं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया वह गलत है। प्रदेश अध्यक्ष सहित 6 विधायकों को भी निलंबित कर दिया गया। विधानसभा और सरकार से यही मांग करते हैं कि सभी के निलंबन को वापस लिया जाए, साथ ही मंत्री अविनाश गहलोत से माफी मांगने की मांग रखी जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे-रलावता राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेश अनुसार अजमेर जिलाधीश कार्यालय पर अजमेर उत्तर विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर भाजपा की पर्ची सरकार का पुतला दहन किया। इस अवसर रलावता ने भाजपा के मंत्रियों की अशोभनीय टिप्पणी पर गहरा रोष व्यक्त किया विरोध प्रदर्शन में मसूदा के पूर्व विधायक राकेश पारीक, अजमेर नगर निगम के पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता, राजेंद्र नरचल, डॉ एस डी मिश्रा, अजमेर क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष शक्ति सिंह रलावता, आदि मौजूद थे।

मृतक के परिवार को सौंपा 7 लाख का चेक

मेड़ता सिटी। मेड़ता सेन समाज की मुहिम लाई रंग। दिया समाज की एकता का परिचय। हाल ही में कुछ दिन पहले सेन समाज मेड़ता का एक परिवार जिसका स्व रमेश सैन का परिवार के साथ दर्दनाक दुर्घटना हो गई जिसमें 3 जनों का निधन हो जाने पर उनके परिवार व बच्चों के लिए आर्थिक सहायता राशि के लिए जो मुहिम चलाई गई थी उस मुहिम में सेन समाज के साथ आमजन के सहयोग से कुल स 709550 रुपए सहयोग राशि प्राप्त हुई जो शनिवार को सैन समाज के बन्धुओं द्वारा रमेश जी के पिता कैलाश सेन को चेक द्वारा राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सेन समाज अध्यक्ष गणपत लाल सेन ने बताया कि हाल ही में समाज के एक परिवार की जोधपुर के पास भयानक हादसा हुआ जिसमें परिवार के मुख्य सदस्य का निधन हो गया जिसके लेकर समाज द्वारा जो मुहिम चलाई गई उस मुहिम के तहत करीब सात लाख की राशि जो प्राप्त हुई आज उस राशि को परिवार के कैलाश सेन को राशि का चेक प्रदान किया। जिससे बाद स्व रमेश सेन के पिता कैलाश सेन ने समाज व आमजन का आभार जताया।

'इन्दिरा गांधी जैस नेताओं का अपमान कांग्रेस सहन नहीं करेगी'

भीलवाड़ा। देश के लिये जान कुर्बान करने वाले इन्दिरा गाँधी जैसे नेताओं का अपमान कांग्रेस पार्टी कभी भी सहन नहीं करेगी। ये विचार भीलवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने सूचना केन्द्र चौराहे पर पीसीसी के निर्देशानुसार भीलवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के नेतृत्व में किये गये विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम के अवसर पर कहे। भीलवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी राजस्थान विधानसभा में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जी को लेकर सरकार के मन्त्री द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी के विरोध में तथा इसका कांग्रेस नेताओं द्वारा विधानसभा में विरोध करने पर भाजपा सरकार द्वारा पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा सहित 6 विधायकों को निलंबित किये जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा पर्ची सरकार के विरोध में नारे लगाए गये तथा भाजपा की पर्ची सरकार का पुतला फूंका गया। चन्द्र प्रकाश अमरवाल ने बताया कि पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन के अवसर पर कैलाश सेन, पूर्व सभापति मधु जाजू, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रेखा हिरण जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष योगेश, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष धर्मेन्द्र, प्रदेश सचिव शंकर लाल गाडरी, रामलाल, जी पी खटीक, मोहम्मद रफीक शेख, सुरेश बंब, ईश्वर, अविनाश, सुरेश, एडवोकेट भैरूलाल बैरवा सहित कई कांग्रेसजन सम्मिलित थे।

बंद पड़ी है अनेक रोड लाईटे

अजमेर। स्मार्ट सिटी कहलाने वाले अजमेर के ब्यावर मुख्य मार्ग स्थित रेलवे अस्पताल रामगंज पर पिछले लंबे समय से अंधेरे का आलम रहता है और अनेक रोड लाईटे बन्द पड़ी होने से दुर्घटनाएं होती रहती है। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नगर निगम से लाइटे दुरुस्त कराने की मांग की है। सुभाष नगर ब्यावर रोड के कार्यकारी सरदार रणजीत सिंह सलूजा, जन सेवा समिति के रमेश लालवानी, बौद्धमठ के गुणवन्त राहुल, रवि कुमार, अखिल भारतीय जन कल्याण ट्रस्ट के शराफत हुसैन घोसी सहित अन्य ने कलेक्टर लोक बंधु, नगर निगम के आयुक्त देसल दान, पार्षद से ब्यावर रोड रेलवे अस्पताल मार्ग पर बंद पडी हुई रोड लाईटो को दुरूस्त करवाने की मांग की है।

'राज्य सरकार प्रतिशोध की भावना से कार्यवाही कर रही है'

मदनगंज-किशनगढ़,। (निस) विधायक विकास चौधरी ने विधानसभा में सरकार को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया की सरकार केवल प्रतिशोध की भावना से काम कर रही। सरकार को सच्चाई से अवगत कराया जाता है परिचितो को चिन्हित कर कार्यवाही कराई जा रही है। उन्होंने बजट में 150 यूनिट बिजली फ्री देने की घोषणा की, किंतु सोलर लगाने की शर्त रख दोहरा रवैया अपनाया गया। कृषि बजट को 13 हजार करोड़ घटाकर किसानों के प्रति अपनी मानसिकता को दर्शाया है। केंद्र की तर्ज पर स्मार्ट सिटी का जुमला फेंका गया, जबकि प्रधानमंत्री ने 100 शहरो को 2022 तक स्मार्ट सिटी बनाने का वादा किया था, धरातल पर कुछ नहीं है। बजट में पशुपालकों के हित को ध्यान में रख दुग्ध-अनुदान में भी बढ़ोतरी करने के बजाय चर्चा तक नहीं की गई। विधायक डॉ चौधरी ने बताया कि बजट मे आमजन को कुछ नहीं मिला, केवल झूठी घोषणा कर लोगो को गुमराह किया जा रहा है। सरकार के पास कोई वित्तीय प्रबंधन नहीं है, राइजिंग राजस्थान की बात करने वाली राजस्थान सरकार का पिछले साल से राज कोषीय घाटे में 14 हजार करोड रुपए वृध्दि हुई है। गरीब, किसान पिछड़ता जा रहा है। बजट में कोई स्पष्ट विजन नहीं दिखा, केवल पूर्ववर्ती सरकार के कार्यों के उन्नयन, नवीनीकरण, अपठोड का नाम लेने का काम किया।

ब्लैकमेल कांड के विरोध में आक्रोश बैठक हुई

ब्यावर (निसं) शनिवार को को ब्यावर जिले के समस्त संगठनों एवं "सकल सनातन समाज" द्वारा विजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें सामाजिक, व्यापारिक, हिंदूवादी संगठनों, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं और बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में हिंदू समाज में व्याप्त आक्रोश पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार को ब्यावर में बंद और विशाल आक्रोश रैली निकाली जाएगी। रैली चांग गेट से प्रारंभ होकर पाली बाजार, लोहारान चौराहा, भारत माता सर्कल, अजमेरी गेट और भगत चौक से होते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी, जहां राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान आवश्यक सेवाओं एवं शिक्षण संस्थानों (स्कूल व कॉलेज) को छोड़कर सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान को बंद का आ ान किया गया।।

इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला जलाया

पूर्व प्रधान मंत्री 'भारत रत्न' इंदिरा गाँधी पर की गई आपत्ति जनक अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में मंत्री अविनाश गहलोत का पुतला जलाया।

पुष्कर। राज्य सरकार में मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधान मंत्री 'भारत रत्न' इंदिरा गाँधी को लेकर की गई आपत्ति जनक अमर्यादित टिप्पणी करने व उस पर माफ़ी ना मांगने पर विरोध करने वाले 6,कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित करने के विरोध में शनिवार को पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर के नेतृत्व मे नगर के राम धाम तिराये पर मंत्री का पुतला दहन कर,मंत्री के स्तीफे की मांग करते हुए ~एळघ कार्यकर्ताओ ने विरोध प्रदर्शन किया, जिस दोरान मधुसूदन मैक्स पाराशर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद पाराशर,समर तेजी,रेहान खान,आदित्य घारू,गोपाल मेघवंशी, प्रकार नाथ,राहुल,मानव सेन,सुरेन्द्र सिंह व सुरजीत आदि सहित कई युवा कार्यकर्ता सामिल थे।

चारू गुप्ता बनी अंतरराष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन महिला

भीलवाड़ा। अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश प्रभारी ध्रुवदास अठावाल, प्रदेश अध्यक्ष एन.के.गुप्ता, महामंत्री गोपाल गुप्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अठावाल की सहमति से समाज सेविका श्रीमती चारु गुप्ता को महिला ईकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्रीमती गुप्ता विगत 15 वर्षों से महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र सहित सामाजिक उत्थान को लेकर सक्रिय है। उन्होंने जरूरतमंद महिलाओ तथा बच्चो के कल्याण के अनेक अभियानो मे सक्रिय भूमिका निभाई है। वैश्य फेडरेशन के अंकुर बोरदिया ने बताया कि श्रीमती चारु गुप्ता को महिला प्रदेश अध्यक्ष बनने पर फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष एवं सांसद दामोदर अठावाल, प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश कोठारी, प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, संभागीय युवा अध्यक्ष देवेंद्र डाणी, जिलाध्यक्ष रामेश्वर काबरा, महामंत्री ललित अठावाल, महिला संभागीय अध्यक्ष मधु जाजू, महिला जिलाध्यक्ष लीला राठी, युवा जिलाध्यक्ष राघव कोठारी सहित अनेक पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

जिला कलक्टर ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नागौर, । जिला कलक्टर अरूण कुमार पुरोहित ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का विहित समय में निस्तारण करें, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके। जिला कलक्टर शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

रीट-2024 के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू आयोजन हेतु दिए निर्देश बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्थान सरकार राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट)-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने परीक्षा से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में परीक्षा की शुचिता, पेपर और ओएमआर शीट की सुरक्षा एवं गोपनीयता, कानून व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन, परीक्षार्थियों की सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संबंधित केंद्र का मिलान कर प्रवेश दें रीट परीक्षा में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश देने से पहले यह सुनिश्चित करें कि उनकी परीक्षा आपके केंद्र पर ही है। कई बार गफलत में अभ्यर्थियों के गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंचने से वे परीक्षा से वंचित भी रह जाते हैं।

अजमेर में मोक्ष कल्याणक महापर्व 25 को

ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र मंदिर में विराजित प्रतिमाएं।

अजमेर। श्री दिगम्बर जैन महाअतिशयकारी ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली मन्दिर में भू-गर्भ से प्राप्त प्रतिमाओं को विराजित हुए 2600 दिवस पूर्ण होने और मुनिसुव्रतनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के महापर्व पर 25 फरवरी को धार्मिक आयोजन केसाथ मनाया जाएगा। संस्थान के प्रचार प्रसार संयोजक कमल गंगवाल ने बताया कि इस सुअवसर पर ब्रंण् सुकांत भैया के निर्देशन में महामस्तिकाभिषेक एवं महाशांतिधारा का भव्य आयोजन एवं सांयकाल 7:30 बजे से महाआरती का आयोजन होगा। इस अवसर पर भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू भी अर्पित किया जायेगा। उक्त सभी आयोजन निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से सम्पन्न होगें। संस्था के अध्यक्ष मनीष गदिया जैन एवं महामंत्री अतुल ढिलवारी ने बताया कि इस अवसर पर पूरे भारतवर्ष से काफी तादाद में श्रद्धालुगण भाग लेंगे।

निशुल्क नेत्र शिविर में 97 नेत्र रोगियों का किया उपचार

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया जिसमें 97 नेत्र रोगियों को निशुल्क परामर्श दे उपचार किया गया, उनकी विभिन्न जांचे की गई। समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि नेत्र रोगियों को डॉ कृष्णा हेडा द्वारा निशुल्क परामर्श दिया गया निशुल्क नेत्र शिविर की अध्यक्षता राधाकिशन सोमानी डायरेक्टर सेवलोंन सल्ज प्रा. लि. द्वारा की गई। शिविर में चयनित किए गए नेत्र रोगियों के नेत्र आपरेशन किए जाएंगे, शिविर के दौरान रोगियों को निशुल्क दवाइयां व काले चश्मे वितरित किए जाएंगे एवं नेत्र रोगियों के आंखों की पुन जांच की जाएगी।

सार-समाचार

सदन गरिमा बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी : देवनानी

वासुदेव देवनानी

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को अजमेर पहुंचे, यहां उन्होंने काई कार्यक्रमों में शिकरत की। मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि सदन में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सदन की गरिमा बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि आक्रोश और विरोध व्यक्त करने की एक मर्यादा होती है। कुछ विधायकों ने सदन की मर्यादाओं का उल्लंघन किया, इसलिए सत्ता पक्ष के प्रस्ताव पर निलंबन की कार्रवाई की गई ताकि अध्यक्ष और सदन का सम्मान बना रहें। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मंत्री द्वारा कहे गए शब्दों पर विपक्ष ने आक्रोश व्यक्त किया था, विरोध स्वरूप रोष प्रकट करने की भी मर्यादा होती है, लेकिन विपक्ष ने इस सीमा का उल्लंघन किया है। इस घटना के बाद सत्ता पक्ष ने एक प्रस्ताव पेश किया, जिसके तहत छह विधायकों को बजट सत्र की समाप्ति तक निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल ने इस निलंबन के विरोध में विधानसभा परिसर में धरना दिया गया। देवनानी ने धरना दे रहे विपक्ष से कहा कि वे अपने-अपने घर चले जाएं और 24 फरवरी को जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी, तब निलंबित विधायक अपना पक्ष रख सकते हैं। एक सवाल के जबाव में देवनानी ने कहा सदन में अध्यक्ष की टेबल के पास आकर नारेबाजी करना मर्यादाओं का उल्लंघन है। सदन की गरिमा को बनाए रखना उनका दायित्व है और इसमें किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी विधायकों से अपील की कि सदन की मर्यादाओं का पालन करें और इसकी गरिमा को ठेस न पहुंचाएं। देवनानी ने कहा कि कुछ विधायकों को सदन में दिए गए टेबलेट के सही उपयोग की जानकारी नहीं है। अनजाने में कुछ विधायकों ने टेबलेट के स्टैंड का उपयोग मोबाइल चार्जिंग के लिए कर लिया। यह पहली बार हुआ है, इसलिए उन्हें सचेत कर दिया गया है।

विधान ने इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में जगह बनाई

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। राधा कृष्ण विहार कॉलोनी निवासी आशीष राठी के दो वर्षीय होनहार बेटे विधान ने दूरदर्शिता के जरिये इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। समाजसेवी राधेश्याम राठी के प्रपौत्र, सावित्री सतीश राठी के पौत्र व सुरभि-आशीष राठी के पुत्र विधान राठी ने रिकॉर्ड समय दो मिनट 24 सैकेंड में 30 वाहन (कार) के लॉगो की पहचान कर ब्रांड व कंपनी का नाम बताकर इतिहास रचा। कीर्तिमान पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने विधान राठी को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। मां सुरभी ने बताया की विधान सदैव नवाचार करने के साथ रिसर्च करने में तत्पर रहता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में साइंस फेयर 28 फरवरी को

मसूदा, (निसं)। 'रमन प्रभाव' की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में प्रति वर्ष 28 फरवरी को देश भर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा सर सी.वी. रमन के योगदान को याद करने के लिए इस वर्ष मसुदा में संचालित प्रथम बाल विज्ञान खोजशाला की ओर से एक साइस मॉडल मेकिंग एवं प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन 28 फरवरी को किया जाएगा। प्रतियोगिता / विज्ञान मेले में विभिन्न विज्ञान मॉडलों का प्रर्दशन किया जाएगा। जिससे बच्चो का मनोबल बढ़ेगा। बच्चो को और प्रथम साइस प्रोठााम की टीम को विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया रचने, गढ़ने का अवसर मिलेगा।

जागरूकता साइकिल रैली आज

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के दिए निर्देशानुसार भीलवाड़ा जिले में 18 वर्ष से अधिक के व्यक्तियों को बीसीजी वैक्सीन निशुल्क लगाई जाएगी जिससे ट्यूबरक्लोसिस बीमारी से बचाव किया जा सके। इस हेतु 23 फरवरी को प्रातः 8 बजे भीलवाड़ा साइकिल क्लब द्वारा जन जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतेंद्र पुरी गोस्वामी ने दी। उन्होंने बताया की साइकिल रैली सिटी कंट्रोल रूम भीलवाड़ा से शुरू होगी जो शहर के विभिन्न मुख्य मार्ग से गुजरेगी।

नाली का गंदा पानी निकालने को लेकर ज्ञापन दिया

मसूदा, (निसं)। देश आजाद होने के 78 साल बीत जाने के बाद आज भी कुछ गांवों में छूत-अछूत की परिपाटी ठाामीणों में देखने को मिल रही हे। मामला मसूदा की निकटवर्ती ठााम पंचायत दौलतपुरा प्रथम के ठााम लोरडी का है। जहां अनुसूचित जाति के मोहल्लेवासियों बलवंत, मनफूल, कन्हैयालाल, पूरणमल, गणपत लाल, गोपाल, हीरालाल, महावीर, मिश्री लाल महेश, सम्पत बैरवा द्वारा ठााम पंचायत के सरपंच, ठााम विकास अधिकारी को एक लिखित शिकायत दी। शिकायत में मोहल्लेवासियों ने बताया कि गांव में गंदा पानी निकालने के लिए पंचायत द्वारा नालिया बनाई जा रही है। ठााम के कुछ दबंगों द्वारा इंदिरा कॉलोनी रेगर मोहल्ले से निकलने वाले गंदे पानी की नालियों को ठााम के तथाकथित दबंगों द्वारा गांव की अन्य नालियों में सम्मिलित नहीं करने दिया जा रहा है। दबंगों द्वारा नाली को गांव के आम रास्ते में नहीं निकलने दिया जाकर अनुसूचित जाति व रैगर मोहल्ले से निकलने वाले गंदे पानी के निकास के लिए अलग नालिया बनाने के लिए कहा जा रहा है। इसी मामले को लेकर दूरभाष पर मसूदा विकास अधिकारी से वार्ता कर बताया कि सरपंच एवं ठााम विकास अधिकारी को भी मौका स्थिति से अवगत करा दिया फिर भी गांव के रसूलदार व्यक्तियों ने सरपंच एवं ठााम विकास अधिकारी को गुमराह करके अनुसूचित एवं जनजाति व्यक्ति के घरों व मोहल्ले का पानी मुख्य नाली में नहीं निकलने दिया जा रहा हैं। इसी को लेकर आपस में विवाद की स्थिति पैदा हो रही है। वहीं मोहल्लेवासियों ने बताया कि 5 साल पहले जब सड़क निर्माण हुआ उस वक्त भी इन्हीं लोगों ने मिट्टी डालकर पानी निकास पर रोक लगा दी जिससे गांव का सारा गंदा पानी पास ही बने सरकारी स्कूल में जाना शुरू हो गया जिसको लेकर पानी निकालने के लिए स्कूल प्रशासन द्वारा अपने निजी फंड से पानी निकालने के लिए मलबा भर कर गंदे पानी को निकालने की व्यवस्था करवाई।

स्काउट गाइड ने मनाया चिंतन दिवस

ब्यावर (निसं) राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड ने लार्ड बेडन पॉवेल जयंती मनाई।स्थानीय संघ जवाजा के सचिव सुरेश चन्द फुलवारी ने बताया कि शहीद अमर सिंह रा उ मा वि कालिंजर के प्रधानाचार्य गजेन्द्र तुनगरिया और स्काउटर रतन सिंह चौहान के नेतृत्व में चिंतन दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड ने रैली निकाल कर ठाामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का संदेश दिया।राजियावास तालाब की पाल पर पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी नेमीचंद यादव की अध्यक्षता, प्रशासक राजियावास ब्रज पाल सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में प्रधानाचार्य महेश ओलानिया,जवाजा के पूर्व सचिव रामचन्द्र शर्मा,मसूदा सचिव मोहन सिंह चौहान, जैतारण संयुक्त सचिव महेन्द्र कुमार नरवाल,भंवर सिंह चौहान, प्रधानाचार्य खुमान राम के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया हुआ।इस अवसर पर संपूर्ण ठााम में स्वच्छता रैली निकाल कर पोलीथीन का प्रयोग नहीं करने की प्रेरणा दी।प्रशासक ब्रज पाल सिंह रावत ने स्काउट गाइड गुरुजनों के मार्गदर्शन में उन्नित कर सकते हैं और आप आगे बढ़ो मेरी और से पूर्ण सहयोग रहेगा।पीईईओ नेमीचंद यादव ने बताया कि स्काउट गाइड सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।पूर्व सचिव रामचन्द्र शर्मा नेलार्ड बेडन पॉवेल की जीवनी के बारे में विस्तार से बताया।प्रधानाचार्य महेश कुमार ओलानिया ने बताया कि स्काउट गाइड ईमानदार होते है।मसूदा सचिव मोहन सिंह चौहान ने स्काउट गाइड की पोशाक का महत्व बताया।महेन्द्र कुमार नरवाल ने कहा कि दृढ़ निश्चय करे तो बहुत कुछ कर सकते हैं।

सामाजिक कार्यक्रम में जा रहे लोगों की बस पलटी, दो की मौत, तीस घायल

उदयपुर-झाड़ोल मार्ग पर रणघाटे में अनियंत्रित होकर बस पलट गई थी

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के झाड़ोल मार्ग पर सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झाड़ोल जाते समय बीच रास्ते रणघाटे में बस पलट गई। हादसे में युवक व महिला की मौत हो गई, जबकि तीस जने घायल हो गए। यह बस देबारी से रवाना हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में उदयपुर-झाड़ोल मार्ग रणघाटे में अनियंत्रित होकर बस पलट गई। हादसे में बस के नीचे दबने से राजू पुत्र नाथू बेद निवासी अजबरा सलूम्बर तथा सुमन पत्नी किशन वेद निवासी झामरकोटड़ा चांसदा की मौत हो गई। हादसे में किरण पुत्री हीरालाल निवासी देबारी, पायल पुत्री कैलाश निवासी खेलगांव, सुंदर पुत्र रोशन निवासी गोगुन्दा, सोमा पुत्र नानालाल, लीलाबाई पत्नी हीरालाल निवासी देबारी, केसीबाई पत्नी नाथू निवासी कुराबड़, दीपक पुत्र पन्नालाल निवासी कुराबड़, रमेश पुत्र गोवर्धनविलास कुराबड़, गोपाल निवासी कुराबड़, ओमप्रकाश पुत्र मदनलाल निवासी देबारी, पुष्कर पुत्र मदनलाल निवासी देबारी, कपिल पुत्र मांगीलाल निवासी देबारी, लाली पत्नी राजु निवासी देबारी, तुलसीराम पुत्र नाथुलालनिवासी छाली, लालसिंह पुत्र हरिसिंह निवासी बासवाड़ा, अंबाबाई पत्नी मदन निवासी देबारी, नाथू पुत्र पवन निवासी उमरड़ा, मोहन पत्नी मुकेश निवासी भुवाणा, हिम्मती पत्नी लालुराम निवासी भुवाणा, निमा पत्नी पुष्कर, सविता पत्नी पूंजालाल निवासी देबारी, विवेक पुत्र रमेश सुरेश पुत्र गोवर्धन सहित तीस जने घायल हो गए, जिनमें से गंभीर घायल 13 जनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

- क्रेन की मदद से बस को एक तरफ रखवाकर बस के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला
- 16 लोगों को एमबी चिकित्सालय के लिए रेफर किया, तीन यात्री गंभीर, बस में करीब पचास यात्री सवार थे जो देबारी से बदराणा जा रहे थे

पूछताछ में पता चला कि सवेरे देबारी से पानरी पीने का दस्तूर बदराणा झाड़ोल पलक ट्रॉवेल बस से रवाना होकर जा रहे थे, जहां बीच रास्ते रणघाटी उतार में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसकी सूचना मिलने पर वाघपुरा थानाधिकारी वैलाराम ने मौके पर पहुंचकर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर एसडीएम झाड़ोल, पुलिस उप अधीक्षक झाड़ोल नेत्रपालसिंह, झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम मय जाप्ता मौके पर पहुंचे, जहां तथा क्रेन की मदद से बस को एकतरफ रखवाकर बस के निचे दबे लोगों को बाहर निकाल नजदीकी सीएचएवी एवं पीएचसी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां सुमन व राजू को मृत घोषित कर दिया तथा शेष लोगों में से16 लोगों को एमबी चिकित्सालय के लिए रेफर किया है, जिनमें से तीन यात्रीं गंभीर है। बस में करीब पचास यात्री सवार थे जो देबारी से बदराणा जा रहे थे। पुलिस ने दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्री को कुचला, दोनों की मौत

हादसे में मां-बेटी घायल, अस्पताल में भर्ती कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती आयुर्वेद विश्वविद्यालय स्थित निर्माणाधीन पुल पर बाइक सवार एक परिवार को ट्रक चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्री की दर्दनाक मौत हो गई जबकि मां-बेटा बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई कर शव रिश्तेदारों को सौंपे। मामले घायल महिला की तरफ से ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। शवों का एमजीएच में पोस्टमार्टम कराया गया।

मूलत: आसोप के मंगेरिया की रहने वाला धुलाराम प्रजापत अपनी पत्नी 30 वर्षीय शारदा, बेटी रितिका और पुत्र रितिक को लेकर बाइक से मंगेरिया गांव जा रहा था। यह लोग जब आयुर्वेद विश्वविद्यालय के समीप निर्माणाधीन पुल पर चढ़े तब पीछे से आ रहे एक ट्रक के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में चारों लोग बाइक से नीचे गिर गए। ट्रक का पहिया धुलाराम और उसकी बेटी रितिका के सिर से निकल गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मां शारदा और बेटा रितिक बुरी तरह घायल हो गए। बाद में जन सहयोग से उन्हें उपचार के लिए एमजीएच भेजा गया।

करवड़ पुलिस ने बताया कि मामले में मृतक की पत्नी शारदा प्रजापत ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। शवों का एमजीएच में पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। बेटी रितिका और उसकी मां शारदा उपचाराधीन है।

अजमेर के जे.एल.एन. अस्पताल में स्वाभिमान भोज रसोई का शुभारंभ

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अन्नदान महादान है। जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराने से व्यक्ति पुण्य का भागी होता है। देवनानी शनिवारको जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में जवाहर फाउंडेशन द्वारा संचालित स्वाभिमान भोज रसोई के उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को सेवा सम्मान एवं समर्पण के साथ जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि स्वाभिमान भोज रसोई सामाजिक समरसता और करुणा का प्रतीक है जहां समाज का कोई भी व्यक्ति भूख से मुक्ति के लिये सम्मान के साथ भोजन प्राप्त करता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

टीम जवाहर फाउंडेशन ने वासुदेव देवनानी एवं अतिथियों का 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में जवाहर फाउंडेशन द्वारा संचालित स्वाभिमान भोज रसोई का शुभारंभ फीता काटकर किया। देवनानी ने जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष उद्योगपति एवं समाजसेवी रिजु झुनझुनवाला द्वारा सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जमकर प्रशंसा की। समारोह में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के प्राचार्य डॉ. अनिल सांमरिया, अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने कार्यक्रम को संबोधित किया और राजस्थान बजट 2025 26 में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में बेहतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए की गई घोषणाओं के लिए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी एवं राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त किया। टीम जवाहर फाउंडेशन द्वारा प्रभारी शिव कुमार बंसल एवं महेश चौहान के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं अतिथियों को 51 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

फर्जी परीक्षार्थी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण विश्वविद्यालय की तरफ से इन दिनों बीए द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन चल रहा है। शुक्रवार को पुराना कैंपस परिसर में एक फर्जी परीक्षार्थी को पकड़ा गया। बाद में उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। उसके खिलाफ उदयमंदिर थाने में केस दर्ज किए जाने के साथ गिरफ्तार किया गया। वह अपने दोस्त के स्थान पर परीक्षा देने आया था। बदले में उसे पांच सौ रूपए देने को कहा गया था। जसवंत हाल परीक्षा केन्द्र ओल्ड कैम्पस के केन्द्र अधीक्षक सुनील मेहता ने रिपोर्ट दी। पुलिस को बताया कि 21 फरवरी की सुबह के समय परीक्षा केन्द्र में आयोजित विश्वविद्यालय की एक परीक्षा में मूल परीक्षार्थी की जगह पर गुमान सिंह पुत्र भूरसिंह परीक्षा देता पाया गया।

खनिज विभाग ने एक माह में 31 कार्रवाई की

40 वाहन मशीनरी जब्ती के साथ चार एफआईआर दर्ज कराई

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु के निर्देशानुसार माइंस विभाग बिजौलियां ने अवैध खनन गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गत एक माह में 31 कार्रवाईयां करते हुए 40 वाहन मशीनरी की जब्ती के साथ ही चार एफआईआर दर्ज कराई है। अधीक्षण खनिज अभियंता भीलवाड़ा ओपी काबरा ने बताया कि एमई बिजौलियां प्रवीण अग्रवाल और उनकी टीम द्वारा पुलिस और राजस्व सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए अवैध खनन, भण्डारण और परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

खनिज अभियंता बिजौलियां प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि गत एक माह में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ 31 कार्रवाई की गई है। इसमें से अवैध खनन के 4 प्रकरण, अवैध परिवहन के 25 और अवैध खनिज भण्डारण के 2 प्रकरणों में कार्रवाई की गई है। अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस में 4 एफआईआर दर्ज कराई गई है। क्षेत्र में एमई प्रवीण अग्रवाल, एएमई बंशीलाल सुथार व गिरिराज मीणा और जितेन्द्र भारद्वाज की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई के दौरान एक करोड़ 75 लाख की शास्ती लगाने के साथ ही 20 लाख 23 हजार 954 रु. की वसूली की जा चुकी है। अवैध खनिज परिवहन में वाहनों के साथ ही मशीनरी की भी जब्ती की कार्रवाई की गई है।

- कार्रवाई के दौरान एक करोड़ 75 लाख की शास्ती लगाने के साथ ही 20 लाख 23 हजार 954 रु. की वसूली

मुख्यमंत्री का जोधपुर दौरा आज

जोधपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर आएंगे। वे राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर के 17वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री रविवार सुबह 08:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान से प्रस्थान करेंगे। वे सुबह 09:05 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां 9.25 बजे तक एयरपोर्ट पर उनका समय रिजर्व रहेगा। इसके पश्चात शर्मा जोधपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर सुबह 09:40 बजे राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। यहां विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री मध्याह्न कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान कर जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वे विशेष विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले फरवरी माह के शुरुआती सप्ताह में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर आए थे। यहां उन्होंने कलेक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह से शहर में चल रहे विकास कार्य के साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में फीडबैक लिया था।

होटल मालिक पर सरियों व पाइप से हमला, हाथ-पैर तोड़े

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के गोठड़ा थानांतर्गत पहाड़िला में शुक्रवार रात्रि को एक होटल में तोड़फोड़ तथा होटल मालिक के साथ सरियों व पाइपों से मारपीट कर हाथ-पैर तोड़ देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पहाड़िला स्थित होटल के मुनीम रवि सिंह पुत्र नरपतसिंह निवासी इंद्रपुरा ने गोठड़ा पुलिस थाना में शनिवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई।

दर्ज रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार रात्रि 8.15 बजे रेस्टोरेंट में होटल मालिक कैलाश सैनी बैठा हुआ था। तभी अचानक एक कैम्पर गाड़ी में सवार होकर राजेश सैनी चिराणिया, मोहित शेखावत, निवासिया चिराणा व करीब आठ अन्य लोग हाथों में जीआई पाइप, सरिए व लाठियां लेकर आए। जिन्होंने कैलाश सैनी को बाहर बुलाकर लाठी, सरियों, पाइपों से मारपीट करनी शुरू कर दी। साथ ही होटल के सामने खडी गाड़ी को कैम्पर से टक्कर मारकर व सरियों से तोड़फोड़ कर दी। कैलाश सैनी के परिचित विक्रम सैनी, दीपक सैनी व पवन शर्मा उसे उदयपुरवाटी अस्पताल लेकर गए, जहां से कैलाश सैनी को जयपुर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले में कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर लोगों ने गोठड़ा थाना थानाधिकारी हरदयालसिंह यादव को ज्ञापन सौंपा।

गोठड़ा थानाधिकारी हरदयालसिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। साथ ही पीड़ित के पर्चा बयान दर्ज करने के लिए पुलिस टीम को जयपुर रवाना कर दिया है। वहीं पहाड़िला में हुई होटल मालिक के साथ मारपीट व हाथ पैर तोड़ देने के मामले में सूचना मिलने पर क्षेत्र में लोगों में आक्रोश फैल गया। इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर बडी संख्या में लोगों ने गोठड़ा थाना पहुंचकर थानाधिकारी हरदयालसिंह यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के अनुसार 12-13 दिन पहले भी इसी होटल पर राहुल शेखावत उर्फ मोहित शेखावत, राजेश सैनी चिराणा सहित 8-10 लड़के होटल में खाना खाकर रुपए के लिए झगड़ा करके गए थे। शुक्रवार रात्रि को होटल मालिक कैलाश सैनी व अन्य स्टाफ अपना काम कर रहे थे। इस दौरान सफेद कलर की कैम्पर गाड़ी व महिंद्रा थार गाड़ी में राजेश सैनी चिराणिया, राहुल शेखावत उर्फ मोहित शेखावत, रवि गुर्जर, बंटी शेखावत, अंकित चौधरी, नवीन बराला, दीपक मेघवाल, लालचंद उर्फ लालसिंह, नीतेश उर्फ गोलू सैनी, मुकेश सैनी, राजेश निर्मल हरियाणा व शिशपाल सैनी पहाड़िला तथा 10-12 अन्य बदमाश होटल पर आए और कैलाश को बाहर बुलाकर जान से मारने की नीयत से लोहे के सरियों से मारपीट शुरू कर दी। इनमें से राहुल शेखावत अपने हाथ में पिस्टल लेकर घुमा रहा था। बदमाश अपने साथ कैलाश के टीवीएस शोरूम का कलेक्शन एक लाख 46 हजार 533 रुपए तथा होटल का कलेक्शन 10 हजार रुपए ले गए। बदमाशों ने होटल में कीमती सामान, स्कॉर्पियो गाड़ी आदि में तोड़फोड़ कर करीब 50 लाख रुपए का नुकसान कर दिया।

- घायल कैलाश सैनी को जयपुर रैफर किया गया

ज्ञापन देने वालों में पीड़ित कैलाश सैनी के पिता बनवारीलाल सैनी, उदयपुरवाटी सैनी समाज अध्यक्ष केदारमल सैनी, रामकरण सैनी, शिशपाल सैनी, दौलत सैनी, मदन सैनी, दिलीप सैनी पंच, आशीष चंवरा, बशेसर सैनी, गोपालदास, यतेंद्र सैनी सहित अनेक लोग शामिल रहे। थानाधिकारी हरदयालसिंह ने आरोपियों के खिलाफ शीघ्र सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया।

गुजरात जा रही शराब जब्त, एक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। वैंजा चौकी के सामने नाकेबंदी के दौरान की गई कार्रवाई में पुलिस ने कार से 55 बोतल शराब के बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने धंबोला पावर हाउस तिराहे पर एक पिकअप कैम्पर से 2.50 लाख की शराब जब्त की है। पिकअप कैम्पर में बीच वाली सीट के नीचे मोडिफाई गुप्त केबिन में शराब को छुपाकर रखा था। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया।

चौरासी थानाधिकारी ने बताया कि मुखबिर के जरिए शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर वैंजा पुलिस चौकी के बाहर पुलिस की ओर से नाकेबंदी की गई। इस दौरान एक कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की पीछे की सीट के नीचे एक गुप्त बॉक्स बना हुआ था, जिसमें अवैध शराब की बोतलें छिपाकर रखी हुई थी। पुलिस ने कार से विभिन्न ब्रांड की 55 बोतल शराब को बरामद किया है, जिसे तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे। वहीं आबकारी अधिनियम में उदयपुर निवासी अशोक पुत्र कमाजी डामोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इसी तरह धंबोला थानाधिकारी ने बताया कि धंबोला पावर हाउस तिराहे पर नाकाबंदी में एक गुजरात नंबर की पिकअप कैम्पर को रूकवाया। कैम्पर में 2 लोग बैठे हुए थे, जिन्होंने अपना नाम लाघाराम पुत्र भारमलराम रेबारी और नारणाराम पुत्र केसाराम रेबारी बताया। पुलिस को शराब तस्करी की पुख्ता सूचना होने पर पिकअप कैम्पर की तलाश की, लेकिन कुछ नहीं मिला। इस पर पुलिस ने बीच की सीट के नीचे की तरफ तलाश की तो नीचे की तरफ गुप्त केबिन दिखा। इस गुप्त केबिन में हरियाणा और राजस्थान निर्मित विभिन्न ब्रांड की शराब बरामद की है। इसकी बाजार कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी कर रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शराब को तस्करी कर गुजरात ले जाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं।

गांव ख्याली में पेयजल संकट

झुंझुनूं, (निसं)। निकटवर्ती गांव ख्याली में आपणी योजना का पानी नियमित रूप से नहीं पहुंचने के कारण लोग सर्दी के मौसम में भी एक एक बाल्टी पेयजल के लिए तरस रहे हैं।

गांव ख्याली के सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिनेता सायर सिंह शेखावत ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ख्याली गांव को सिरसला गांव में बनी आपणी योजना की टंकी से पेयजल सप्लाई होता था। आपणी योजना चूरू में ख्याली गांव के दो लाख रुपए भी जमा हैं। दुर्भाग्य की बात यह रही कि राजनेताओं ने वोट की खातिर ख्याली गांव को मलसीसर गांव में बनी जर्मन योजना की टंकी से जोड़ दिया। अब गांव में जर्मन योजना का पानी समय पर और पूरा नहीं आता है। इस कारण गांव के लोगों को बहुत दिक्कत हो रही है। शेखावत ने कहा कि अब जनप्रतिनिधि भी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ख्याली गांव को पुन: सिरसला गांव में बनी टंकी से जोड़ा जावे या फिर नियमित रूप से पूरा पानी छोड़ा जाए। सर्दी के मौसम में भी पेयजल संकट गहरा गया है तो गर्मी में तो हालत और खराब हो जाएगी। समय रहते गांव में पेयजल की समस्या का स्थाई समाधान होना आवश्यक है। शीघ्र ही गांव में पेयजल सप्लाई सुचारु नहीं हुई तो ग्रामीणों को आंदोलन करना पड़ेगा।

राष्ट्र की प्रगति में वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव की महत्वपूर्ण भूमिका है : राज्यपाल बागड़े

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारत में टैलेंट की कमी नहीं है। यहां पर टैलेंट बनाने की कई फैक्ट्रियां है। राज्यपाल ने कहा कि हमारी परम्परा और संस्कृति बची रहे और इसके लिए हमें पहले वर्ग से ही मेहनत करानी होगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान धार्मिक स्टेट है। राज्यपाल ने कहा कि टैलेंट बनाने की फैक्ट्रियां तो भारत में सभी जगह है, हमारे देश की यूनिवर्सिटीज यहीं काम करती है। राज्यपाल शनिवार को उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. के विवेकानंद सभागार में महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान की ओर से आयोजित अखिल भारतीय नागरिक परिसंघ का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश की परम्परा को आक्रमणकारियों ने भुला दी थी। उन्होंने हमारा शोषण किया था। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं सन्यास आश्रम की परंपरा है वृद्ध आश्रम की नहीं। वृद्धाश्रम पश्चिम की देन है, जहां पर वरिष्ठ नागरिकों को बोझ समझा जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति देने वाले मैकाले जब भारत से उनके वहां गया, तब उनके वहां भाषण में कहा कि मैं पूरे भारत में घूमकर आया हूं। कहीं भी एक चोर नहीं मिला। यह बात 1835 की है। उसने कहा था भारत के लोग हमारे गुलाम नहीं बन सकते, क्योंकि उनकी नैतिक ताकत बहुत है, देवधर्म में उनका विश्वास बहुत है। राज्यपाल ने कहा कि मैकाले ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को बहुत दिन तक गुलाम नहीं बना सकते है, ऐसा करना है तो उनकी शिक्षा नीति बदल दो, वो सब भूल जाएंगे तब वह हमारे कब्जे में रहेंगे। उन्होंने वहीं किया और हमारे देश में जो गुरुकुल थे उनको बंद कर दिया।

समारोह के दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत सम्मान किया।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि अब हमारे भारत में नई सोच शुरू हुई और नई शिक्षा नीति लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि देश तरक्की कर रहा है, राष्ट्र बदल रहा है, समाज बदल रहा है, देश के प्रति भावना बढ़ रही है और इसकी जरूरत भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2047 में शताब्दी मनाएंगे। हमारे देश की स्वतंत्र की शताब्दी होगी। मोदी ने यह ध्येय रखा है, कोई भी ध्येय सामने रखा तो उसके प्रति जिम्मेदारी बढ़ती है। राजस्थान धार्मिक स्टेट है, यहां धर्म का अच्छा काम है। यहां गो भक्त बहुत है। गो पूजन बहुत महत्व का है। गो के लिए चाहे जितना खर्च करना हो तैयार है। यहां मंदिरों और देव को ज्यादा मानते है। राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों का आव्हान किया कि वे अपने शरीर एवं स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें क्योंकि स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है। राष्ट्र की प्रगति में वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव की महत्वपूर्ण भूमिका है। वरिष्ठ नागरिकों को अपनी शेष आयु देश, धर्म के उपयोग में लगानी चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने महासंघ की स्मारिका अनुभूति का विमोचन किया और विभिन्न वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया।

- भारत में टैलेंट बनाने की कई फैक्ट्रियां, देश की यूनिवर्सिटीज यहीं काम करती है : राज्यपाल बागड़े
- महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान की ओर से अखिल भारतीय नागरिक परिसंघ का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरु

परिसंघ के उपाध्यक्ष भंवर सेठ ने स्वागत करते हुए बताया कि परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. के. ने ध्वजारोहण किया किया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाउ बागड़े ने किया। इससे पूर्व राज्यपाल डबोक हवाई अड्डे से सर्किट हाउस पहुंचे। यहां पर गणमान्य लोगों ने उनसे भेंट की। आगमन एवं प्रस्थान के समय जिला कलेक्टर नमित मेहता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनार्दनराय नागर विवि के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. के. भाडने, परिसंघ उपाध्यक्ष अन्ना साहब टकले, संस्थान अध्यक्ष चौसरलाल कच्छारा, डॉ. शिल्पा सेठ मंचासीन थी।

धमकाने का मामला दर्ज

उदयपुर। शहर के सविना थाना पुलिस ने आरोपी कंपनी के खिलाफ अवैध वसूली करने के लिए धमकाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मयंक पुत्र शशिकांत खेतान निवासी एफ ब्लॉक हिरणमगरी सेक्टर 14 ने आरोपी कमलेश जांगिड प्रोपराईटर के के इंजीनियरिंग मैन रोड़ हुरड़ा गुलाबपुरा भीलवाड़ा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् राजसमन्द

क्रमांक/एफ.)जल ग्रहण/2024-25/4029 दिनांक-12/02/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 17/2024-25 से 21 / 2024-25

राजस्थान के माननीय राज्यपाल महोदय की ओर से पीएमकेएसवाई 2.0 मद से स्वीकृत विभिन्न कार्यों के सम्पादन करने हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्दीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निर्धारित प्रपत्र में ई टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट www.watershed.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in,www.sppp.rajasthan.gov.in पर एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अल्पकालीन ई निविदा 17/2024-25 से 19/2024-25 दिनांक 12.02.2025 प्रातः 9.30 बजे से 19.02.2025 तक दोपहर 12 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.inसे डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। तथा अल्पकालीन ई निविदा 20/2024-25 से 21/2024-25 दिनांक 12.02. 2025 प्रातः 9.30 बजे से 24.02.2025 तक दोपहर 12 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

क्र. सं.	एनआईटी नम्बर	राशि (लाखों में)	UBN Number	NIB Code
1	17/2024-25	45.07	WSC2425WS0B01197	WSC2425A0569
2	18/2024-25	40.55	WSC2425WS0B01198	WSC2425A0570
3	19/2024-25	23.26	WSC2425WS0B01199	WSC2425A0571
4	20/2024-25	173.86	WSC2425WS0B01200	WSC2425A0572
5	21/2024-25	159.02	WSC2425WS0B01201	WSC2425A0573

अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबन्धक
वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर
जिला परिषद् राजसमन्द

DIPR/C/2052/2025

ऑनलाइन सट्टेबाज गिरोह का पर्दाफाश : सात बदमाश पकड़े

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रैडी पैनल की आईडी बनाकर ऑनलाइन गेमिंग के जरिए सट्टा खिलाकर पैसे ठगने वाले सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से 40 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 3 टैबलेट, 64 बैंक पास बुक, 4 बैंक चेक बुक, 42 एटीएम, 4 सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी रैडी पैनल की आईडी बनाकर ऑनलाइन गेमिंग के जरिए सट्टा खिलाकर पैसे ठग रहे थे। बदमाशों के पास से पांच करोड़ रुपए का हिसाब मिला है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रैडी पैनल की आईडी बनाकर ऑनलाइन गेमिंग के जरिए सट्टा खिलाकर पैसे ठगने वाले शातिर ठग सुनील पंजाबी (38) निवासी गोधरा जिला पंचमहाल गुजरात,विनय जेठानी

- **पुलिस ने बदमाशों के पास से 40 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 3 टैबलेट, 64 बैंक पास बुक, 4 बैंक चेक बुक, 42 एटीएम, 4 सिम कार्ड बरामद किए हैं।**

(32) निवासी सुहागपुर जिला सहडोल (मध्य प्रदेश), मिहिर भोजवानी (21) निवासी गोधरा जिला पंचमहाल गुजरात , जोगेन्द्र सिंह (30) निवासी पंनधाना जिला खण्डवा मध्यप्रदेश , सुशील गवडे (24) निवासी नांदेड ग्रामीण जिला नांदेड महाराष्ट्र,भरत कुमार (26) निवासी गोधरा जिला पंचमहाल गुजराज और रोहित सिंह (28) निवासी कंबाना जिला खंडवा मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है और सभी आरोपित जवाहर सर्किल इलाके में रहते है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित रेडीबुक.ब्लू डोमेन पर रैडी पैनल बनाकर वॉट्सऐप ग्रुप का क्लोन बनाते है। वॉट्सऐप ग्रुप का एक्सेस किसी अन्य व्यक्ति के पास रहता है। जो इसको दूर बैठकर ऑपरेट करता है। ये लोग बिजनेस वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से लोगों को गेम की जानकारी और फायदा बताते हैं। ऑनलाइन गेम खेलने तथा पैसा जीतने का लालच देकर साइट पर जोड़ते हैं। वॉट्सऐप पर ऑनलाइन गेम खेलने का मैसेज मिलने पर लैपटॉप में ग्राहक की आईडी बना देते है। ऑनलाइन गेम खेलने वाले ग्राहक द्वारा पैसा भेजने का वॉट्सऐप पर मैसेज प्राप्त होने पर ग्राहक की आईडी ग्रुप पर अपडेट कर देते हैं। ग्राहक से प्राप्त पैसे के अनुसार ऑनलाइन गेम खेलने वाले को कोइन डाल देते है।

ऑनलाइन गेंमिग साइट पर गेम खेलने वाले ग्राहक द्वारा जीत जाने पर पैसा निकलवाने के लिए वॉट्सऐप पर मैसेज प्राप्त होने पर विड्रॉल मैसेज के अनुसार गेम जीतने वाले को बैंक खातों से रुपए ट्रांसफर कर दिये जाते हैं। इसी प्रकार ऑनलाइन गेम खेलने वाले ग्राहक के हार जाने पर प्राप्त राशि बैंक खातों में रह जाती है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्राप्त होने वाले पैसे तथा भेजे जाने वाले पैसे का रिकॉर्ड रजिस्टरों में भी लिखते हैं।

आरोपियों द्वारा बैंक खातों में प्राप्त पैसे को अलग अलग खातों ट्रांसफर कर लिया जाता है। इसे एटीएम या ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निकाल लेते हैं। ऑनलाइन गेम में रुपये जीतने का लालच देकर ऑनलाइन गेम खेलने के लिए आईडी पर जोड कर गेम खेलने वाले के ज्यादा पैसा जीत जाने पर उसकी आईडी को ब्लॉक कर देते हैं। इससे जीतने वाले को पैसा नहीं भेजने पड़ते हैं। जीतने वाले की आईडी. ब्लॉक कर देने पर जीतने वाले को दिए जाने वाली राशि आरोपी के पास ही रह जाती है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी की शहीद कॉलोनी रेलवे लाइन के पास मालवीय नगर में कुछ लोग क्रिकेट व अन्य गेम पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं।

प्रमुख शिक्षा सचिव व निदेशक माध्यमिक शिक्षा सहित अन्य को अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद शिक्षा व राजस्व विभाग से 30 जून को रिटायर कर्मचारियों को वेतन परिलाभ का लाभ नहीं देने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्व मंडल रजिस्ट्रार व जिला कलेक्टर करौली को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश दामोदर गोयल व शिंभू दयाल शर्मा की अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 से प्रदेश के सभी अफसर व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता के लिए सालाना वेतन बढ़ोतरी की तारीख एक जुलाई तय की थी। ऐसे में 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिला। इस कारण उन कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, वरिष्ठता व उपार्जित अवकाश का लाभ भी प्रभावित हो रहा है।

स्काउट-गाइड आदर्श कार्य संस्कृति से जुड़ा संगठन : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने स्काउट-गाइड के उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली जिला इकाइयों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन नहीं, आदर्श कार्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि इस संगठन के जरिए प्रयास किया जाए कि नवयुवकों की बौद्धिक क्षमता बढ़े। इसी से भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की और अग्रसर हो सकेगा।

राज्यपाल शनिवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय में राज्य पुरस्कार समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धित को बदल कर मानसिक रूप से गुलाम किए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि इसके तहत भारतीय संस्कृति और शिक्षा परम्परा को बदला गया। उन्होंने अपने स्व और संस्कृति को अग्रणी रखते हुए विकसित भारत के लिए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने राजस्थान में इस संगठन की सर्वाधिक सदस्य संख्या और राष्ट्र स्तर पर पुरस्कार में अग्रणी रहने की सराहना की।

राज्यपाल ने इससे पहले स्काउट गाइड के उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली जिला इकाइयों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। स्काउट गाइड ने इस अवसर पर मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

विकल्प संगठन का स्वर्ण जयंती उत्सव एक मार्च को

जयपुर। विकल्प नाट्य संस्थान की स्थापना के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने पर आगामी 1 मार्च को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सुधिराजीव के मुख्य आतिथ्य में स्वर्ण जयंती उत्सव का आयोजन किया जायेगा। गौरतलब है कि देश-प्रदेश और समाज में व्याप्त विसंगतियों भ्रष्टाचार और विडंबनाओं के विरूद्ध लोक चेतना जगाने और स्वस्थ्य मनोरंजन की दृष्टि से स्वस्थ्य रंग आंदोलन के मद्दे नजर 1974 में विकल्प नाट्य संगठन की स्थापना की गई थी। देश प्रदेश में अपनी नाट्य प्रस्तुतियों के बल पर विकल्प ने एक अग्रणी रंग संस्था के रूप में मुकाम बनाया। इसके कलाकार प्रतिष्ठित नाटकों से लेकर फीचर और लघु फिल्मों एवं राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याण के रूप में मुकाम बनाया। इसके कलाकार प्रतिष्ठित नाटकों से लेकर

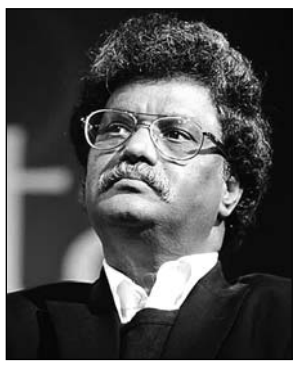

राजेश रेड्डी

फीचर और लघु फिल्मों एवं राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संगठन के संरक्षक मुकुंददेव मोदी और अध्यक्ष मोहनलाल गोयल ने बताया कि स्वर्ण जयंती समारोह जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में शाम सात बजे अनिल मारवाड़ी के निर्देशन में जल एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक लघु नाटक अंधेर नगरी रिटन्र की प्रस्तुति के साथ ही सुधित श्रोता अंतरराष्ट्रीय ख्यातनाम शायर राजेश रेड्डी की शायरी का रसास्वादन कर सकेंगे। रेड्डी विकल्प के संस्थापकों में से एक हैं। स्वर्ण जयंती उत्सव के संयोजक फारूख आफरीदी के अनुसार इस अवसर पर विकल्प की अब तक की गौरवशाली रंग यात्रा को दर्शाने वाली बहुरंगी स्मारिका का लोकार्पण भी किया जाएगा। स्मारिका में देश प्रदेश के ख्यातनाम और अनुभवी रंगकर्मी और शोधकर्मियों के उत्कृष्ट आलेख शामिल किये गये हैं। उत्सव के दौरान रंग आंदोलन से जुड़ी विभिन्न विभूतियासें और विकल्प के सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए मदन राठौड ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने राठौड़ को पुष्प-गुच्छ भेंट कर पुन: प्रदेशाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई दी और सम्मान के रूप में दुपट्टा ओढ़ाया एवं मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा संगठन और अधिक विस्तार लेगा। साथ ही, राठौड़ के कुशल नेतृत्व में पूरे जोश और उमंग के साथ प्रदेश में राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की इस मुलाकात के अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम भी उपस्थित रहे।

सरकारी सूरज मैदान को स्कूल समिति कैसे किराए पर दे रही है?

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदर्श नगर स्थित नगर निगम के स्वामित्व वाले सूरज मैदान को स्कूल समिति की ओर से विभिन्न आयोजनों के लिए किराए पर देने से जुडे मामले में स्वायत्त शासन सचिव, जेडीए सचिव, ग्रेटर नगर निगम आयुक्त, कलेक्टर, पुलिस आयुक्त और आदर्श विद्या मंदिर स्कूल प्रबंध समिति से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पत्रकार कॉलोनी एवं श्रीराम मंदिर एरिया विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाईकोर्ट नगर निगम, जेडीए, कलेक्टर, पुलिस आयुक्त के साथ आदर्श विद्या मंदिर से जवाब मांगा**

अपील में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि तत्कालीन यूआईटी ने आदर्श नगर योजना बनाते समय यहां पार्क के लिए आरक्षित जगह छोड़ी थी। वहीं जेडीए के अस्तित्व में आने के बाद इस जगह को खेल मैदान घोषित कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि आदर्श नगर को जयपुर नगर निगम को हस्तांतरित करने के बाद इस जगह का स्वामित्व निगम के पास आ गया। इस सूरज मैदान से सटी आदर्श विद्या मंदिर स्कूल है। जो इस अपने विद्यार्थियों के खेलकूद के लिए इस मैदान का उपयोग करने लगी। स्कूल की प्रबंध समिति अब बिना किसी अधिकार और स्वामित्व के इस मैदान को शादियों और व्यावसायिक इवेंट के लिए दे रही है और इसके बदले समिति भारी धनराशि चंदे के रूप में ले रही है। व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान आने वाले लोग आवासीय क्षेत्र में बने घरों के दरवाजों पर अपने वाहन खडा कर देते हैं। वहीं देर रात म्यूजिक बजाकर ध्वनि प्रदूषण भी किया जाता है। इस लेकर अपीलार्थी ने जिला कलेक्टर को कई बार शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका में गुहार की गई कि खेल मैदान को स्कूल समिति से कब्जा मुक्त करवाकर विकसित किया जाए और समिति की ओर से इस मैदान से हुई आय की वसूली की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

कांग्रेस ने जिला मुख्यालय पर किया विरोध-प्रदर्शन

जयपुर। विधानसभा में मंत्री अविनाश गहलोत की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर जहां राजस्थान विधानसभा में गतिरोध बना हुआ है और कांग्रेस विधायकों का धरना दो दिन से अनवरत सदन के अंदर जारी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित विधानसभा में प्रतिपक्ष के उप नेता रामकेश मीणा, विधायक जाकिर हुसैन गैसावत, संजय जाटव, अमीन कागजी और हाकम अली के विधानसभा में बजट सत्र की शेष से निलंबन और मंत्री अविनाश गहलोत की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस की ओर से किए गए प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन के क्रम में जयपुर शहर जिला कांग्रेस की ओर से जिला अध्यक्ष आरआर तिवारी के नेतृत्व में संजय सर्किल पर विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया।

बीमा कंपनी पर 30 हजार रुपये का हर्जाना लगाया

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, प्रथम ने महिला मरीज की ओर से कराई सर्जरी को सुंदरता के लिए बताकर उसका मेडिक्लेम खारिज करने को गलत माना है। इसके साथ ही आयोग ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिए हैं कि वह बीमा क्लेम की 2.71 लाख रुपए की राशि नौ फीसदी ब्याज सहित अदा करे। इसके अलावा आयोग ने मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर तीस हजार रुपए परिवादी को अतिरिक्त अदा करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष डॉ. सूबे सिंह यादव और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश सुधा रावत व अन्य के परिवाद पर दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि जीवन बचाने के लिए वजन कम कराने की सर्जरी को सुंदरता बढ़ाने के लिए बताकर क्लेम से इनकार नहीं किया जा सकता।

- **'वजन कम करने के लिये कराई सर्जरी को बीमा कंपनी ने सुंदरता बढ़ाने के लिये बताकर क्लेम से इनकार नहीं किया जा सकता'**

परिवाद में कहा गया कि सत्यप्रकाश ने स्वयं और अपनी पत्नी सुधा के लिए विपक्षी बीमा कंपनी से मेडिक्लेम लिया था। इसकी अवधि 5 जनवरी, 2018 से 4 जनवरी, 2019 तक थी। वहीं परिवादी सुधा की बीमारी से वजन कुछ दिनों में ही 75 से बढक़र 102 किलोग्राम हो गया। इसके साथ ही उसे सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। इस पर उसने चिकित्सक की सलाह से इंदौर के निजी अस्पताल में 18 सितंबर, 2018 को सर्जरी कराई। जिसके ऑपरेशन में 2.71 लाख रुपए खर्च हुए। जब परिवादी ने इस राशि के पुनर्भरण के लिए बीमा कंपनी से संपर्क किया तो बीमा कंपनी ने यह कहते हुए क्लेम राशि देने से इनकार कर दिया कि उसने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए मोटापे का ऑपरेशन कराया है। ऐसे में वह बीमा शर्त के तहत क्लेम राशि लेने की हकदार नहीं है। परिवाद में कहा गया कि वह 58 साल की महिला है और उसने चिकित्सक की सलाह पर अपना जीवन बचाने के लिए सर्जरी करवाई है। जिसके कॉस्मेटिक सर्जरी में शामिल नहीं किया जा सकता। इसलिए उसे क्लेम राशि का भुगतान और मानसिक संताप के तौर पर मुआवजा दिलाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाते हुए क्लेम राशि ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

सीनियर सिटीजन का इलाज खर्च नहीं देने पर बीमा कंपनी पर जुर्माना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने हेल्थ पॉलिसी की अवधि के दौरान सीनियर सिटीजन को इलाज का खर्च देने से मना करने को सेवा दोष करार दिया है। वहीं बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एंड एलाई इंश्योरेंस कंपनी पर 61 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने बीमा कंपनी को कहा है कि वह परिवादी को इलाज पर खर्च हुई राशि 90,670 रुपए उसे 9 प्रतिशत ब्याज सहित दे। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना व सदस्यहेमलता अग्रवाल ने यह आदेश रविदत्त शर्मा के परिवाद पर दिया। आयोग

- **जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर द्वितीय ने स्टार हैल्थ इंश्योरेंस को इलाज पर खर्च हुई राशि 90670 मय ब्याज तथा 61 हजार रुपये हर्जाना देने के आदेश दिये**

ने कहा कि परिवादी सीनियर सिटीजन है और साल 2012 से 2017 तक पॉलिसी रिन्यू हुई है। परिवादी का निजी अस्पताल में इलाज हुआ है और उसके बाद कीमोथेरेपी ली है, लेकिन बीमा कंपनी ने परिवादी के इलाज क्लेम को ओरल कीमोथेरेपी के आधार पर खारिज किया है। जबकि परिवादी के इतने साल पॉलिसी चलाने के बाद कोई बीमारी होने व डॉक्टरी जांच और निर्देश के बाद ही इलाज किया है। ऐसे में परिवादी के क्लेम को ओरल कीमोथेरेपी का हवाला देकर खारिज नहीं किया जा सकता। परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने खुद व अपनी पत्नी के लिए 33,652 रुपए का प्रीमियम देकर हेल्थ पॉलिसी ली थी। इस पॉलिसी की अवधि 21 सितंबर 2016 से 20 सितंबर 2017 तक थी। इस दौरान 29 सितंबर 2016 को परिवादी की तबीयत बिगडने पर उसे निजी अस्पताल में दिखाया। वहां पर उसे भर्ती किया और इलाज के बाद 3 अक्टूबर को डिस्चार्ज किया। वहीं इसके बाद महावीर कैंसर अस्पताल में भी उसका इलाज किया। इलाज पर 90,670 रुपए का खर्चा हुआ। परिवादी ने जब हेल्थ पॉलिसी के तहत बीमा कंपनी में इलाज खर्च राशि के पुनर्भुगतान का क्लेम किया तो उसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसने ओरल कीमोथेरेपी ली थी और यह पॉलिसी में कवर नहीं है।

डिलीवरी बॉय का अपहरण कर लूट को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने डिलीवरी बॉय का अपहरण कर लूट को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश कार्रवाई करते हुए गैंग के मुख्य सरगना सहित छह बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। वहीं साथ ही पुलिस ने आरोपितों के पास से वारदात में प्रयुक्त किराए की एक कार भी जब्त की है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिंगत आनन्द ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने डिलीवरी बॉय का अपहरण कर लूट को अंजाम देने वाली गैंग का

- **मुख्य सरगना सहित छह गिरफ्तार**

पर्दाफश कार्रवाई करते हुए गैंग के मुख्य सरगना सैफ अली खान उर्फ सैफू निवासी कादरगेट जिला फर्रखाबाद उत्तरप्रदेश हाल मालपुरा गेट जयपुर, मोहम्मद कैफ उर्फ रेहान निवासी सांगानेर जयपुर,अभिषेक पाल उर्फ बकरी निवासी अलीगंज जिला ऐटा उत्तरप्रदेश हाल सांगानेर जयपुर,गुलशन उर्फ कबीर निवासी सांगानेर जयपर,प्रदीप कुमार उर्फ मोनू निवासी मैनपुरी जिला मैनपुरी उत्तप्रदेश हाल सांगानेर जयपुर और शिवम सक्सैना निवासी फतेहगढ़ जिला फर्रुखाबाद उत्तप्रदेश हाल सांगानेर जयपुर को गिरफतार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी बदमाश प्रवृति के है जो जयपुर में रहकर मजदूरी करते है। कार रेंट पर लेकर व बाइक से रेकी कर किसी व्यक्ति विशेष के संबंध में विशेष जानकारी जुटाकर या राह चलते व्यक्ति को रेंट के ली हई कार से अपहरण कर मारपीट कर पैसे तथा अन्य किमती सामान लूट कर पिडित को पटक कर फरार हो जाते हैं।

गांजा सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए जयपुर शहर में अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से एक किलो 835 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित वारदात में प्रयुक्त दो पहिया वाहन और ब्रिकी राशि के हजारों रुपये भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान में चुनावी वादों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे ठोस कदम : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 में राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी ने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने के लिए सरकार के महज एक साल के कार्यकाल के दौरान कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसकी वजह से प्रदेश की जनता को डबल इंजन सरकार को पूरा लाभ मिल रहा है। आने वाले तीन साल और महत्वपूर्ण होंगे। केवल प्रदेश की जनता के लिए नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं और देश की जनता के लिए भी यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में मदन राठौड़ के पुन: प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के अवसर पर आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर

- **जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बोले केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री**

हाल में यह सुनिश्चित करेगी कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं धरातल तक पहुंचें, जिससे प्रदेश की जनता लाभान्वित हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा शुरू से ही कार्यकर्ताओं की ताकत के आधार पर काम करने वाली पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि अंगुलियों पर गिने जाने वाले लोगों ने पार्टी का गठन किया था, और अपनी विचारधारा, कार्यकर्ताओं की शक्ति की वजह से तमाम परिस्थितियों और चुनौतियों से निपटते हुए पार्टी केवल देश की ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने काम के आधार पर जनता का विश्वास जीता है, यही वजह है कि राजस्थान में प्रचंड जीत देने के बाद कई अन्य प्रदेशों में भी जनता ने भाजपा को प्रचंड समर्थन दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतनी लंबी यात्रा के दौरान पार्टी की ऐसी छवि बनी है, जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों का अक्षरत: पालन किया है।

राजस्थान सहकारी बोर्ड ने भर्ती परीक्षाओं की तिथि घोषित की

जयपुर। राजस्थान सहकारी भर्ती बोर्ड ने विभिन्न पदों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं की तिथि घोषित की है। ये भर्ती परीक्षाएं मार्च एवं अप्रेल माह में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएंगी।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि इन भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ (राजफैड) में 49 तथा राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (अपेक्स बैंक) एवं जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में 449 पदों को भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि राजफैड में जूनियर असिस्टेंट, अकाउंट्स ऑफिसर, एनिमल न्यट्रिशन ऑफिसर, प्रोग्रामर, असिस्टेंट मैनेजर (क्वालिटी कंट्रोल) एवं ऑपरेटर (कैटल फीड) के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन 26 मार्च को किया जाएगा। जबकि, जूनियर अकाउंटेंट, असिस्टेंट मैनेजर (जनरल), इन्फोर्मेटिक असिस्टेंट एवं फिटर के पदों हेतु परीक्षा 27 मार्च को आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार, अपेक्स बैंक एवं विभिन्न जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में बैंकिंग असिस्टेंट पद के लिए भर्ती परीक्षा 1 अप्रेल, मैनेजर पद के लिए 5 अप्रेल एवं सीनियर मैनेजर व कम्प्यूटर प्रोग्रामर पद के लिए 13 अप्रेल, 2025 को आयोजित की जाएगी। राजपाल ने परीक्षाओं का समुचित रूप से आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

नेट थियेट पर अंकित भट्ट ने गीतों का गुलदस्ता पेश किया

जयपुर। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज मन आज कहीं पर कार्यक्रम में उभरते कंपोजर और सिंगर अंकित भट्ट ने अपनी मखमली आवाज़ में गीतों का गुलदस्ता पेश कर मौसिकी से रूबरू कराया।

नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि कलाकार अंकित भट्ट ने डॉ पुरुषोत्तम चक्रवर्ती का लिखा हुआ एक गीत मन आज कहीं पर बंधन था मन आज तुम्हीं ने बांध लिया से अपने कार्यक्रम की शुरूआत की । इसके बाद उन्होंने प्रमिला राजीव लिखित सुप्रसिद्ध गीत मैं और तुम चलो चले सागर की लहरों पै बैठे को जब अपनी पुरकशिश

आवाज में सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे। कलाकार अंकित ने पं आलोक भट्ट का गीत संकेतों की प्यारी भाषा में प्रेमी कुछ समझ ना पाता तथा गीति भट्ट का गीत अब देखा था जिसमें तू मिलता था को पेश कर अपनी गायिकी का परिचय दिया। इनके साथ तबले पर ऋषि शर्मा ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गीतों की इस महफिल को परवान चढाया। सभी गीतों की संगीत रचनाएं अंकित भट्ट और आलोक भट्ट द्वारा की गई है। ऑक्टोपैड पर सतीश शर्मा तथा सिंथेसाइजर पर पवन जैन ने शानदार संगतकर कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कैमरा मनोज स्वामी, संगीत संयोजन विनोद सागर गढवाल, मंच सज्जा जीवितेश शर्मा व अंकित शर्मा नानू की रही।

आदतन अपराधी पर कसा शिकंजा

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने अपराध पर अंकुश लगाने एवं अपराधी पर सतत निगरानी रखे जाने के लिए आदतन अपराधी वैभव ओझा की हिस्ट्रीशीट ओपन कर शिकंजा कस दिया गया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जिले भू माफिया, मादक पदार्थ एवं शराब तस्करी, हत्या, लूट डकैती नकबजनी चोरी, जमीनों पर अवैध कब्जे करना, मारपीट करना, धोखाधड़ी, जैसे संगीन एवं गंभीर प्रकृति के अपराध में शामिल अपराधियों की डिटेल विवरण तैयार कर इन अपराधियों को चिन्हित कर अंकुश लगाने विधिवत कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया था। इस सक्रिय अपराधी पर पुलिस थाना करधनी में चार प्रकरण दर्ज है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किश्त कल जारी होगी

जयपुर। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को 19वीं किश्त 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से बिहार के भागलपुर में आयोजित होने वाले किसान सम्मान समारोह में जारी की जाएगी। सहकारिता राज्य मंत्रीगौतम कुमार दक ने बताया कि योजना के तहत राजस्थान के 72 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 1400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी।

दक ने बताया कि इस अवसर पर राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। वहीं, जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर भी कृषि विभाग के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक 18 किश्तों के माध्यम से देश के 11 करोड़ से भी अधिक किसान परिवारों को 3.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धन राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू कर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के समस्त पात्र किसानों को 2000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही थी, जिसे राज्य बजट 2025-26 में बढ़ाकर 3000 रुपये करने की घोषणा की गई है।

रोडवेज बस की टक्कर से तीन वर्षीय बालक की मौत, लोगों में आक्रोश

आक्रोशित लोगों ने मांगों को लेकर बीच सड़क पर विरोध-प्रदर्शन किया

बीदासर, (निसं)। कस्बे के पुराना बस स्टैंड पर शनिवार की सुबह राजस्थान परिवहन निगम की रोडवेज बस की टक्कर से ढाणी धोरान निवासी एक तीन वर्षीय बालक राधे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

आक्रोशित लोगों ने बीच सड़क पर बैठकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की सूचना के बाद बीदासर थानाधिकारी कैलाशचंद्र यादव मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश कर भीड़ को घटना स्थल से हटाया तथा बस को थाने ले जाया गया। वहीं मृतक राधे के शव को राजकीय टांटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों के साथ समाज के लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव लेने से इंकार कर दिया, जिसके बाद पहुंचे तहसीलदार सुदेश महला और थानाधिकारी कैलाशचंद्र ने वार्ता कर बस चालक के खिलाफ कार्रवाई करने और नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने के आश्वासन के बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। वार्ता में पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया, नथमल भोभरिया, पार्षद बाबूलाल करड़वाल, एडवोकेट महेश छापोला सहित समाज के अनेक लोग शामिल थे।

बीदासर थानाधिकारी कैलाशचंद्र यादव मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश की।

- बस चालक के खिलाफ कार्रवाई करने और नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ

मृतक के दादा ने थाने में दी रिपोर्ट :- वहीं मृतक के दादा हरिराम प्रजापत ने पुलिस थाने में लिखित रिपोर्ट दी कि मेरा भतीजा श्रवण व उसकी भाभी पूजा पत्नी नंदलाल तथा नंदलाल के पुत्र राधे के साथ सुजानगढ़ से सरकारी बस से यात्रा कर बीदासर आए। जिसके बाद रोडवेज बस के वाहन चालक ने गफलत और लापरवाही से वाहन चलाते हुए राधे को टक्कर मार दी, जिसे गंभीर हालत में राजकीय सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

चलती गाड़ी में आग लगी, चालक बचा

आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई।

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के जसरापुर गांव के पास शुक्रवार रात को एक गाड़ी अचानक आग लगने से जल गई। हरियाणा का युवक पशु देखने के लिए आया था कि वापस जाते समय यह हादसा हो गया।

पुलिस के मुताबिक दूलोठ अहीर निवासी मुकेश कुमार पुत्र कंवर सिंह ने थाने में रिपोर्ट दी कि वह शुक्रवार को देवता गांव में भैंस देखने के लिए आया था। इस रात को वह जसरापुर होते हुए नांगल चौधरी जा रहा था। रात करीब दस बजे जब वह जसरापुर के पास पहुंचा तो अचानक गाड़ी के बोनट से धुआं निकलने लगा। जब उसने गाड़ी रोककर बोनट खोला तो गाड़ी में तेज आग की लपटें उठने लगी और कुछ पल में ही गाड़ी जल गई। इस दौरान गाड़ी के जरूरी कागजात भी जलकर राख हो गए। इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ित ने कंट्रोल रूम में सूचना दी तो खेतड़ी नगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल ने बताया पीड़ित व्यक्ति की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है, मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

- हरियाणा का युवक पशु देखने के लिए आया था

खेत में दिखा जंगली जानवर, पैंथर होने की आशंका

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीविजयनगर कस्बे के निकटवर्ती गांव तीन बीएलडी की रोही क्षेत्र में हाल ही में अज्ञात जंगली जानवर के आने की सूचना से ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय ग्रामीणों में हलचल मच गई। रात के समय खेत में सिंचाई करते हुए विनोद गोदारा नामक एक ग्रामीण ने खेत में किसी अज्ञात जंगली जानवर को देखा। वह जंगली जानवर पैंथर जैसा प्रतीत हो रहा था, जिसके बाद ग्रामीण ने वन विभाग को सूचित किया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और आसपास के खेतों व इलाके का निरीक्षण किया। टीम ने खेतों में जंगली जानवर के पैरों के कुछ निशान पाए, जिससे यह अंदेशा व्यक्त किया गया कि यह जानवर पैंथर, भेड़िया या हाईना हो सकता है। इस जांच के दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी कमल बिश्नोई के नेतृत्व में सहायक वन अधिकारी संदीप कौर, वन रक्षक राकेश, बजरंग लाल, और कविता सहित वन विभाग की पूरी टीम मौजूद रही। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया और ग्रामीणों से अपील की कि वे सतर्क रहें। अधिकारियों ने बच्चों को बाहर खेलने के लिए न भेजने, पालतू पशुओं और पक्षियों को खुले में न छोड़ने, और कृषि कार्य के दौरान अकेले न जाने की सलाह दी है। इसके साथ ही, यदि कोई भी जंगली जानवर दिखाई दे तो उसकी फोटो और वीडियो बनाने के लिए निर्देश दिए गए, ताकि उसकी सही पहचान की जा सके। ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है, और वन विभाग की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है।

- वन विभाग ने निरीक्षण किया, ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत

1780 नशीले कैप्सूल सहित दो युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला औषधि नियंत्रण विभाग और चूनावढ़ पुलिस ने प्रतिबंधित नशीले कैप्सूलों की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। टीम ने 1780 नशीले कैप्सूल सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। ड्रग इंस्पेक्टर अमनदीप को मुखबिर से सूचना मिली थी। चूनावढ़ एसएचओ मलकीतसिंह के साथ संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने 32 जीजी रोही में पेट्रोल पंप के पास से 23 जेड निवासी देवेंद्रसिंह और 19 जेड निवासी मनोजकुमार को पकड़ा। दोनों आरोपियों से प्रीगाबालिन 300 एमजी साल्ट के 1780 कैप्सूल बरामद किए गए।

पूछताछ में पता चला कि वे 5 ईईए एरिया से कैप्सूल खरीदकर लाए थे। इन्हें आगे बेचने की योजना थी। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि ये कैप्सूल हिमाचल प्रदेश के पोंटासाहिब स्थित बायोकोनिक रेमेडीज फार्मा कंपनी के हैं।

मधुमक्खियों ने भाई-बहन पर हमला किया, पहाड़ से गिरने से दोनों की मौत

निवाई, (निसं)। रक्तांचल पर्वत के नीचे खाई में भरे हुए पानी में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दोनों भाई-बहन पहाड़ पर स्थित ब्राह्मणी माता मंदिर में दर्शन करने के लिए पहाड़ पर चढ़कर जा रहे थे। इस दौरान अचानक मधुमक्खियों ने भाई-बहन पर हमला कर दिया। जिस पर दोनों असंतुलित होकर पहाड़ से खाई में गिर गए।

गिरने के दौरान वहां पर घूम रहे एक युवक ने दोनों को देख लिया। किंतु वह डर के कारण किसी को घटना के बारे में जानकारी नहीं दी। यह घटना शुक्रवार दोपहर दो बजे के करीब की बताई जा रही है। जिस पर प्रत्येकदर्शी युवक ने पड़ौस के युवकों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद यह खबर शहर में आग की तरह फैल गई। स्थानीय प्रशासन को जानकारी मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा, तहसीलदार नरेश गुर्जर, पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी मौके पर पहुंचे। प्रशासन द्वारा रात को हाईमास्क लाइट लगवाई।

सेल्फ डिफेंस की टीम द्वारा रात को 11 बजे तक सर्च ऑपरेशन किया लेकिन सफलता नहीं मिली। शनिवार को सुबह पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा, पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को ढूंढने लगे। इसके बाद नौ बजे एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय युवक मुबारक अली मंसूरी ने खाई से मौके से युवती के शव को बाहर निकाला। कुछ देर बाद युवक के शव को भी बाहर निकला गया। आधार कार्ड के अनुसार मृतक युवक की पहचान शिवा कीर (24) पुत्र सुभाष कीर व मृतक युवती की पहचान संजना उर्फ आरती (22) के रूप में पहचान की गई। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। मृतक की मां मीरा ने बताया कि दोनों कल देर रात तक घर पर नहीं पहुंचने पर आसपास क्षेत्र में युवक की तलाश की गई। युवक को फोन करने पर फोन बंद आ रहा था। मृतक का पिता सुभाष कीर जयपुर में पुताई का कार्य करता है। मृतक युवती का पांच माह पूर्व ही विवाह राहुल गुर्जर नाम के लड़के से हुआ था। मृतक छह भाई-बहन बताई जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मृतक युवक व युवती केशव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी रखवाया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

- दोनों भाई-बहन पहाड़ पर स्थित ब्राह्मणी माता मंदिर में दर्शन करने के लिए पहाड़ पर चढ़कर जा रहे थे
- मृतक का पिता सुभाष कीर जयपुर में पुताई का कार्य करता है, मृतक युवती का पांच माह पूर्व ही विवाह हुआ था

स्मैक सप्लाई करने के आरोप में एक युवक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। जिला कोटपुतली बहरोड़ में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई जारी है। भाबरु पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ स्मैक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं भाबरु थानाधिकारी जयप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान विराटनगर कस्बे में मुल्जिम तरुण उर्फ विक्की के कब्जे से 40 ग्राम स्मैक जप्त कर मामला पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया था। प्रकरण में मुल्जिम तरुण उर्फ विक्की को अवैध मादक पदार्थ स्मैक सप्लाई करने वाले वांछित मुल्जिम संजय कुमार नायक पुत्र पप्पू नायक निवासी जुगलपुरा थाना चंदवाजी को थाना भाबरु पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी से पूछताछ कर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया।

हरियाणा से भागे किशोर और किशोरी ने जहर खाया, किशोर की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। वेलेंटाइन-डे 14 फरवरी के दिन हरियाणा से भागे किशोर और किशोरी भटकते-भटकते 20 फरवरी शाम को श्रीगंगानगर पहुंचे। यहां स्टेशन पर ही उनकी तबीयत खराब हो गई। आरपीएफ और जीआरपी पुलिस ने इनको जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान किशोर की रात को मौत हो गई। किशोरी की तबीयत खतरे में है और जिला अस्पताल में इलाज जारी है। जीआरपी पुलिस द्वारा हरियाणा की चरखी दादरी पुलिस को सूचना दी गई है।

हरियाणा पुलिस किशोर और किशोरी के परिजनों के साथ श्रीगंगानगर पहुंच गई। किशोर के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जीआरपी थाना प्रभारी धर्मपाल लेघा ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का है। इस संबंध में 14 फरवरी रात को चरखी दादरी के थाने में किशोरी के पिता की ओर से किशोर के खिलाफ किशोरी का अपहरण करके ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया हुआ है। मामले की जांच की जा रही है और किशोरी के होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी। चरखी दादरी के एक ही स्कूल में पढ़ने वाले किशोर और किशोरी प्रेम-प्रसंग में घर से निकल गए थे। किशोर 12वीं का विद्यार्थी था और किशोरी 10वीं की छात्रा है। दोनों 14 फरवरी को अपने-अपने घरों से निकले और परिजनों से बचने के लिए ट्रेन में सवार होकर श्रीगंगानगर पहुंच गए। सफर के दौरान ही दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। श्रीगंगानगर पहुंचने के बाद दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। पुलिस को उन पर शक हुआ तो पूछताछ की गई, लेकिन उन्होंने खुद को भाई-बहन बताया। इसके बाद जब वे उल्टियां करने लगे, तब पुलिस उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर 20 फरवरी की शाम करीब 7:00 बजे दोनों सादुलपुर-सूरतगढ़ ट्रेन से उतरे। आरपीएफ जवानों को उन पर शक हुआ तो पूछताछ की गई। पुलिस को इन्होंने खुद को भाई-बहन बताया और बहाने से ट्रेन में बैग लेने गए। लेकिन जब ट्रेन चलने लगी, तो वे बैग के बिना ही उतर गए। इसी दौरान दोनों की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी और उन्होंने उल्टियां शुरू कर दीं।

जीआरपी थाना प्रभारी धर्मपाल ने बताया कि 14 फरवरी को दोनों के घर से निकलने के बाद परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश की। इसके बाद किशोरी के परिजनों ने चरखी दादरी सदर थाना में किशोर के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद हरियाणा पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस करने में जुट गई थी। इन दोनों की 20 फरवरी को लोकेशन हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर के आसपास मिली थी, जिसके बाद संबंधित पुलिस थानों को सतर्क कर दिया गया था। शाम को आई ट्रेन में दोनों श्रीगंगानगर पहुंच गए थे।

- श्रीगंगानगर स्टेशन से पहले 20 फरवरी की शाम को जहर खाया था

बाइक सहित एक कार व दो वाहन जप्त किया

टोंक। पुलिस ने नाकाबंदी कर बिना नम्बरी वाहनों, ब्लेक फिल्म लगे वाहनों, मोडिफाईड साईलेन्सर इत्यादि वाहनों पर कार्रवाई की। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में सभी थाना क्षैत्रों में तीन घंटे तक नाकाबन्दी कर बिना नम्बरी वाहनों, ब्लेक फिल्म लगे वाहनों, मोडिफाईड साईलेन्सर इत्यादि वाहनों पर एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। नाकाबन्दी के दौरान 50 बिना नम्बरी वाहन, 98 ब्लेक फिल्म लगे वाहन, 8 मोडिफाईड साईलेन्सर के वाहनों पर कार्यवाही की तथा इसी प्रकार 185 एमवी एक्ट में 2 वाहन एवं 807 एमवी एक्ट में 24 मोटरसाइकिल व एक कार जप्त की गई। इस दौरान 236 चालान काटकर 59500 रूपये चालान राशि प्राप्त की गई।

अवैध हथियार समेत एक आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा भी बरामद किया है।

थानाधिकारी रामसिंह यादव ने बताया कि पुलिस की ओर से अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एएसआई महेश कुमार को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि एक लड़का पीले रंग की स्वेटर पहने हुए हथियार लेकर खेतड़ी नगर से सिंघाना की तरफ आ रहा है। जिस पर एक विशेष टीम का गठन कर सिंघाना सर्किल पर नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश की गई। नाकाबंदी के दौरान मुखबिर के बताए हुए हुलिये का एक लड़का आता हुआ दिखाई दिया, जिसको पुलिस ने रोककर तलाशी ली गई तो जिन्स की पेंट में एक देशी कट्टा पाया गया। जब उससे नाम पता-पूछा तो अपना नाम महीपाल ऊर्फ कालू पुत्र रामकुमार गुर्जर निवासी ईश्कपुरा पुलिस थाना सिंघाना होना बताया। जब उससे देशी कट्टे के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, जिस पर पुलिस ने अवैध रूप से हथियार अपने कब्जे में पाए जाने पर आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी महीपाल उर्फ कालू को गिरफ्तार कर एक अवैध देशी कट्टा जब्त कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से अवैध हथियार के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी रामसिह, एएसआई महेश कुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार, सुशील कुमार, अजय भालोठिया, विकास कुमार आदि शामिल थे।

सिंघाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक जने को गिरफ्तार किया।

सड़क पर पलटा कंटेनर, तीन जने घायल : पाली में एक कंटेनर बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में कंटेनर ड्राइवर सहित उसमें सवार तीन लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। हादसा शुक्रवार को रोहट थाना क्षेत्र के ओम बन्ना के पास हुआ। कंटेनर पाली की तरफ जा रहा था। कंटेनर ड्राइवर कावल सिंह सहित रौनक और केवलचंद घायल हुए हैं। तीनों पंजाब के रहने वाले हैं। कंटेनर पलटने से हाईवे पर जाम जैसी स्थिति हो गई। ऐसे में पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त कंटेनर को सड़क किनारे करवाया और यातायात सुचारू किया। पुलिस ने घायलों के परिजनों और उनकी कंपनी में हादसा होने की जानकारी दी।

श्री सांवलियाजी में बाहरी दुकानों पर बिकने वाला प्रसाद नकली, जांच में खुलासा

मंडफिया, (निसं)। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ आने के कारण अक्सर खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता में गड़बड़ियों के मामले सामने आते रहते हैं। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंडफिया में खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच की थी। इस जांच में सांवलियाजी मंदिर मंडल मंडफिया के प्रसाद की गुणवत्ता उच्च स्तर पर पाई गई है, जबकि बाहरी दुकानों पर बिकने वाले मावे एवं अन्य मिठाइयों में मिलावट सामने आई है। मंडफिया कस्बे में बिक रहे मावे के प्रसाद में सूजी, शक्कर और वनस्पति घी सहित अन्य मिलावट की पुष्टि की गई है। जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर द्वारा विभिन्न मानकों पर सैंपलों की जांच की गई। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर अतिरिक्त कलेक्टर कार्यालय से फर्जी और नकली पदार्थ के मामले में नियमानुसार कार्रवाई होगी।

मावे प्रसाद की चार निजी दुकानों से लिए गए सैंपल सभी फेल हुये।

तिरुपति मामले के बाद हुई थी जांच : तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विभिन्न मंदिरों और मंदिर के आसपास बिकने वाले प्रसाद सामग्री के सैंपल लिए गए थे। विभाग द्वारा सांवलिया जी मंदिर मंडल के लड्डू, मठ्डी, मैसूर पाक व सागर के सैंपल लिए गए थे। वहीं मंडफिया कस्बे की चार अन्य निजी दुकानों से भी मावे के सैंपल लिए गए थे। खाद्य सुरक्षा की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मंदिर मंडल मंडफिया द्वारा बनाया जा रहा प्रसाद उच्च गुणवत्ता का है। जिसमें बेसन, शक्कर, शुद्ध घी पाया गया है जबकि मंडफिया कस्बे की अन्य निजी चार दुकानों पर लिए गए सैंपल में मिलावट पाई गई। वह चारों सैंपल फेल हुए। कस्बे की अन्य दुकानों में मिसलीड मावे के नाम से यह प्रसाद बेचे जा रहे हैं, जिसमें सूजी, वनस्पति घी और अन्य पदार्थों की मिलावट पाई गई है। अब इस मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सितंबर में लिए गए सैंपलों की रिपोर्ट आने पर प्रकरण अतिरिक्त कलेक्टर को सौंप दिया है, जहां इन पर जुर्माना और सजा के प्रावधानों के तहत निर्णय किया जाएगा।

मंडफिया कस्बे के श्री सांवलिया मंदिर के पूर्व अध्यक्ष कालूराम गुर्जर, आरटीआई कार्यकर्ता कैलाश चन्द्र, पूर्व वार्डपंच लक्ष्मीलाल खटीक सहित ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर मोटी कमाई कर नकली मावा प्रसाद बेच रहे हैं ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। यहां जगह-जगह नकली मावा बेचा जा रहा है। नकली मावे का प्रसाद मंदिर में प्रवेश बंद करने की मांग की। जानकारी के अनुसार नकली खाद्य पदार्थ, मावे आदि के विभाग द्वारा सैंपल लिए जाने के बाद इसे जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजा जाता है वहां पर 10 पैरामीटर के आधार पर खाद्य पदार्थों की जांच की जाती है। जिसमें स्टार्च, अतिरिक्त शुगर, यूरिया, कार्बोहाइड्रेट, रंग के लिए कलर, डिटरजेंट पाउडर व आयोडीन आदि की जांच होती है। जांच में लिए गए सैंपल को 40 डिग्री तापमान पर रखकर उसकी जांच की जाती है। इन सभी जांच में सांवलिया जी मंदिर मंडल मंडफिया के प्रसाद की गुणवत्ता 100 प्रतिशत शुद्ध पाई गई है।

- खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में सांवलियाजी मंदिर मंडल मंडफिया के प्रसाद की गुणवत्ता उच्च स्तर पर पाई गई है
- जांच में बाहरी दुकानों पर बिकने वाले मावे एवं अन्य मिठाइयों में मिलावट सामने आई है

रिंकी पोटिंग ने कहा कि 25 वर्षीय प्रतिभाशाली भारतीय बल्लेबाज दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज बनने की कुव्वत रखता है।

- रिंकी पोटिंग

शुभमन गिल की तारीफ करते हुये बोला।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेन डकेट

इंग्लैंड से बेन डकेट ने 143 बॉल पर 165 रन बनाए। डकेट ने 17 चौके और 3 छक्के लगाए। जो रूट (68 रन) ने अर्धशतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया से बेन ड्वारशस ने 3 विकेट लिए। एडम जम्पा और मार्नस लाबुशेन ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 9 ओवर में दो विकेट पर 62 रन बना लिए हैं। मैथ्यू शॉर्ट और मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं। कप्तान स्टीव स्मिथ (5 रन) को मार्क वुड और ट्रैविस हेड (6 रन) को जोफ्रा आर्चर ने आउट किया।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट खिलाड़ियों की आत्म कथाओं की पुस्तक का सबसे छोटा नाम पाकिस्तानी क्रिकेटर जहीर अब्बास की पुस्तक का है। इसका शीर्षक जेड है।

ज्वेरेव को हराकर कोमेसाना रियो ओपन के सेमीफाइनल में

रियो डी जनेरियो, 22 फरवरी। अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ सनसनीखेज जीत हासिल कर एटीपी 500 रियो ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कॉमेसाना ने शुक्रवार को जॉकी क्लब ब्रासीलीरो की आउटडोर क्ले पर दो घंटे और 31 मिनट में जीत हासिल करने के लिए सात में से चार ब्रेक प्वाइंट को बदल दिया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव के लिए यह रात भूलने लायक रही, उन्होंने चार डबल फॉल्ट किए और कई अप्रत्याशित गलतियां कीं। पूरे मैच के दौरानह भीषण गर्मी और उमस से असहज दिखायी दिये। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले 86वें स्थान पर काबिज कोमेसाना शनिवार को फ्रांस के एलेक्ज़ेंडर मुलर से भिड़ेंगे। इससे पहले, अर्जेंटीना के कैमिलो उगो काराबेली ने पुर्तगाल के जैमे फारिया पर 7-6 (5), 6-4 से जीत के साथ अंतिम चार में प्रवेश किया। काराबेली ने आठ ऐस लगाए और अपनी पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक जीतकर मैच एक घंटे 56 मिनट में जीत लिया। सेमीफाइनल में काराबेली का सामना अपने ही देश के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त सेबेस्टियन बेज से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे के त्सेंग चुन-हसिन को 6-4, 6-1 से हराया।

जिरी लेहेका को हराकर जैक ड्रेपर कतर ओपन के फाइनल में

दोहा, 22 फरवरी। ब्रिटिश नंबर एक जैक ड्रेपर चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 3-6 7-6 (7-2) 6-3 से हरा कर कतर ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रेपर ने गुरुवार को पूर्व विंबलडन उपविजेता माटेओ बेरेटिनी को हराया था। उन्होने टाई-ब्रेक में त्रुटिहीन प्रदर्शन करते हुए मैच को निर्णायक स्थिति में पहुंचा दिया। हार की निराश में लेहेका ने अपना रैकेट फर्श पर फेंक दिया। ड्रेपर ने अपने दूसरे मैच प्वाइंट के साथ फिर से सर्विस तोड़ दी और खुद को करियर का तीसरा खिताब जीतने का मौका दिया। ड्रेपर ने कहा, मुझे लगा कि पहले सेट में मैंने ख़राब खेल दिखाया। मैंने उसकी (लेहेका की) सर्विस पर बढ़त हासिल करना शुरू की, आसान पकड़ बनाई और उसकी सर्विस के पीछे काफी दबाव बनाया। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, मुझे और अधिक सकारात्मक महसूस हुआ। जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले ड्रेपर फाइनल में एंड्री रुबलेव से भिड़ेंगे। उन्होने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 4-6, 7-6 (7-5) से हराया था। बराबरी का मुकाबला रोमांचक निर्णायक सेट तक पहुंच गया, जिसमें दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी रुबलेव ने अपने चौथे मैच प्वाइंट के साथ जीत हासिल की।

दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बनने के हकदार है गिल : पोटिंग

दुबई, 22 फरवरी । आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले शुभमन गिल की तारीफ करते हुये आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिंकी पोटिंग ने कहा कि 25 वर्षीय प्रतिभाशाली भारतीय बल्लेबाज दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज बनने की कुव्वत रखता है। आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट पर संजना गणेशन से बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, वह इस समय दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज बनने का पूरी तरह से हकदार है और यह भारत के लिए एक अच्छा संकेत है कि उसने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले गेम में ही अपना खाता खोल लिया है। पोंटिंग ने कहा कि गिल हालांकि खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन सफेद गेंद क्रिकेट उनकी खेल शैली के लिए सबसे उपयुक्त है। उन्होने कहा वह कई वर्षों से एक बहुत, बहुत अच्छा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहा है। पिछले तीन चार वर्षों में उनका सफेद गेंद क्रिकेट उत्कृष्ट रहा है। वह एक बड़ा गेम प्लेयर भी है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने आईपीएल में वास्तव में अच्छा खेला है ।

फील्डर नंबर 1 बनने के करीब हैं विराट कोहली

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का महामुकाबला दुबई में 23 फरवरी को खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक महारिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है। वैसे तो कोहली शानदार बल्लेबाज हैं और सब यही उम्मीद कर रहे हैं कि वो पाकिस्तान के खिलाफ फिर से शानदार पारी खेलें, लेकिन इस मैच के दौरान अगर एक कैच पकड़ लेते हैं तो वनडे फॉर्म में भारत के फील्डर नंबर 1 बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में खेले 298 मैचों में 156 कैच पकड़े हैं तो वहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजरुद्दीन ने अपने वनडे क्रिकेट करियर में 334 मैचों में 156 कैच लपके थे। अब कोहली पाकिस्तान के खिलाफ जैसे ही एक कैच पकड़ेंगे वो भारत की तरफ से वनडे प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इस वक्त भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कोहली और अजरुद्दीन संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 463 मैचों में 140 कैच पकड़े थे। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर राहुल द्रविड़ हैं जिन्होंने 340 मैचों में 124 कैच लपके थे।

ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी का सबसे बड़ा रनचेज किया

इंग्लैंड के खिलाफ 47.3 ओवर में 352 रन बनाए, 5 विकेट से हराया; इंग्लिस का शतक

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया है। इंग्लैंड के 352 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलिया 47.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जोश इंग्लिस ने मार्क वुड की बॉल पर सिक्स जमाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

शनिवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 351 रन बनाए। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर रहा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने अगली ही पारी में इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश इंग्लिस ने 86 बॉल पर नाबाद 120 रन की शतकीय पारी खेली। एलेक्स कैरी ने 63 बॉल पर 69, मैथ्यू शॉर्ट ने 66 बॉल पर 63 रन और मार्नस लाबुशेन ने 45 बॉल पर 47 रन बनाए।इंग्लैंड की ओर से बेन डकेट ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 143 बॉल पर 165 रन बनाए। डकेट की पारी में 17 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा, जो रूट (68 रन) ने अर्धशतक जमाया। जोस बटलर ने 23 रन का योगदान दिया। एडम जम्पा और बेन ड्वारशुइस को 2-2 विकेट मिले। जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैमी स्मिथ, जो रूट, हैरी ब्रूक, लियम लिविंगस्टन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और मार्क वुड। स्टीव स्मिथ (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वारशस, नाथन एलिस, स्पेंसर जॉनसन और एडम जम्पा। जोश इंग्लिस की सेंचुरी, वनडे करियर में पहली जोश इंग्लिस ने 45वें ओवर में सेंचुरी पूरी कर ली है। उन्होंने 77 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की है। वीरेंद्र सहवाग ने भी 77 बॉल पर शतक बनाया था। इंग्लिस ने लगातार 2 छक्के मारे, कार्स के ओवर से 13 रन

44वें ओवर में जोश इंग्लिस ने ब्रायडन कार्स की बॉल पर लगातार दो छक्के लगाए।

इंडिया-पाकिस्तान मैच कल, विराट 90 मिनट पहले प्रैक्टिस पर पहुंचे

दुबई । दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान महामुकाबले से पहले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तय समय से 90 मिनट पहले प्रैक्टिस के लिए पहुंचे। उन्होंने लोकल बॉलर्स के साथ प्रैक्टिस किया।

विराट ऑफ साइड बॉलिंग पर बल्लेबाजी करते नजर आए। वे पिछली 12 इंटरनेशनल इनिंग में 11 बार ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर आउट हुए हैं। शनिवार को दुबई स्टेडियम में कोहली को असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर के साथ कार से आए। भारत का प्रैक्टिस समय दोपहर 2:30 बजे रखा गया था, लेकिन कोहली 1 बजे ही मैदान पर पहुंच गए थे। 12 पारियों में 11 बार ऑफ स्टंप के बाहर कैच हुए कोहली पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट खेलने गए थे। वहां 5 टेस्ट की 9 पारियों में वे 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर कैच हुए। फिर इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की 2 पारियों में स्पिनर के खिलाफ भी ऑफ स्टंप के बाहर ही कॉट बिहाइंड हुए। अब बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भी ऑफ स्टंप के बाहर ही बैकवर्ड पॉइंट पर कैच हुए।

कोहली के लिए ऑफ स्टंप की बाहर बॉल समस्या बनी रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोहली को लोकल नेट गेंदबाजों के साथ प्रैक्टिस करते हुए देखा गया। उन्होंने लगातार ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर ड्राइव खेला। अभिषेक नायर के साथ विराट ने अपने डिफेंस पर भी काम किया। ट्रेनिंग के समय विराट के पैर पर बॉल भी लगी, जिसके बाद उन्होंने आइस पैक लगाया। पाकिस्तानी टीम ने एकेडमी में शाम 4 बजे से ट्रेनिंग की। कोहली के अंदर कॉन्फिडेंस की कमी: मांजरेकर दैनिक भास्कर के सवाल पर जियो हॉटस्टार एक्सपर्ट संजय मांजरेकर ने से बातचीत पर बताया, विराट कोहली बार-बार ऑफ साइड के बाहर जाती गेंद पर आउट हो रहे हैं यह चिंता का विषय तो है ही।

जर्मनी ने भारत पर 4-0 से जीत दर्ज की

भुवनेश्वर, 22 फरवरी। जर्मनी ने शुक्रवार को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (महिला) मुकाबले में भारत के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की। यह जर्मनी की सीजन में पहली जीत है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में सोफिया श्वाबे 18वें और 46वें मिनट में गोल दागे वहीं एमिली वोर्टमैन ने तीसरे मिनट में और जोहाना हैचेनबर्ग ने 60वें मिनट पर भारत के खिलाफ गोल किये। इसके साथ जर्मनी अंकतालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गई है। भारत के पूर्व कोच जेनेके शोपमैन के नेतृत्व में जर्मनी ने खेल की अच्छी शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली।

आइना क्रेस्केन ने दाहिनी ओर से एक निचला क्रॉस ड्रिल किया और एमिली वोर्टमैन ने इसे गोल में तब्दील करने में कोई गलती नहीं की। इस बीच भारत ने नौवें मिनट में एक अच्छा मौका बनाया जब दीपिका ने शानदार पास दिया, लेकिन मुमताज खान समय पर उस तक नहीं पहुंच सकीं। मेजबान टीम के पास 15वें मिनट में स्कोर बराबर करने का एक और शानदार मौका मिला मगर उसकों भी भारतीय लड़कियां भुनाने में असफल रहीं । उधर, जर्मनी ने 18वें मिनट में सोफिया श्वाबे के शानदार गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों को तेजी से वापसी की जरूरत थी, लेकिन मूसलाधार बारिश के कारण पिच धीमी होने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। भारत 27वें मिनट में गोल करने के करीब पहुँच गया जब नवनीत ने शर्मिला देवी को एक अच्छा पास दिया लेकिन बाद के प्रयास को आसानी से निपटा लिया गया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने मजबूत शुरुआत की और ब्यूटी डुंगडुंग ने पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। दीपिका ने एक बेहतरीन ड्रैगफ्लिक मारा लेकिन वह पोस्ट के ठीक बाहर चला गया। जर्मनी ने अंतिम क्वार्टर तक अपनी 2-0 की बढ़त बरकरार रखी। श्वाबे ने 46वें मिनट में शाम का अपना दूसरा गोल किया। उसने गोलमाउथ में गेंद प्राप्त की, खुद को अच्छी तरह से सेट किया। और एक जोरदार टॉमहॉक फायर करके स्कोर 3-0 कर दिया और प्रभावी ढंग से गेम को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया।

'दक्षिण अमेरिका में विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई करेगी'

नयी दिल्ली । दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी सत्र दक्षिण अमेरिका में दो चरण के विश्व कप के साथ शुरू होगा। पहला टूर्नामेंट अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। हाल ही में ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार पाने वाली मनु ने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था। वह विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। उनके साथ पेरिस ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू (पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल), ऐशा सिंह (महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल)), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस), अर्जुन बबूता (पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल), पृथ्वीराज टोंडाइमान (ट्रैप), अनंत जीत सिंह नरूका (स्कीट) और रेइजा ढिल्लों (महिला स्कीट) भी टीम में हैं।

जयपुर पोलो सीजन 2025, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी रहीं मुख्य अतिथि

टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक ने जीता पीडीकेएफ लेडीज पोलो कप 2025

जयपुर, 22 फरवरी।राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में शनिवार को यूएसपीए प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन लेडीज पोलो कप 2025 का रोमांचक मैच खेला गया। यह मैच दो टीमों - टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक और टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ठीन के बीच खेला गया। जिसमें टीम पिंक ने 4-3 के स्कोर से टीम ठीन को हराकर लेडीज पोलो कप अपने नाम कर लिया। मैच की मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का खिताब टीम पिंक से संजुला मान ने जीता। इस अवसर पर राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान पीडीकेएफ की जनरल सेक्रेटरी, प्रिंसेस गौरवी कुमारी और यूएस पोलो एसोसिएशन विमेंसवियर की बिजनेस हेड, स्वप्निता सिंह भी उपस्थित रहीं। मुकाबले के दौरान टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक का नेतृत्व जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने किया था। वहीं टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ठीन लांस वाटसन के नेतृत्व में खेली। विजेता टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक से संजुला मान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल किए। मैच में खेलने वाली अन्य खिलाड़ियों में भावना कंवर चौहान और मोनिका सक्सेना शामिल थीं। वहीं, दूसरी टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ठीन से कुमारी विजयश्री शक्तावत ने 2 गोल और डॉ. शिवांगी जय सिंह ने 1 गोल किया। टीम से मिली शेठ भी खेलीं। गौरतलब है कि यह मैच प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) और भारत के लीडिंग कैज़ुअलवियर ब्रांड और यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन (यूएसपीए) के ऑफिशियल ब्रांड यूएस पोलो एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। मैच का आनंद लेने के लिए जयपुर के महिला संगठन, एनजीओ, पोलो प्रेमी और शहर के जाने-माने व्यक्ति उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने तैयार किया खास प्लान

उपकप्तान शुभमन गिल ने खोला राज

दुबई । रविवार 23 फरवरी को दुबई में होने वाले भारत और पाकिस्तान मुकाबले से पहले टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खास तैयारियों को लेकर कई राज खोले। वहीं गिल ने बताया कि वायरल के कारण ऋषभ पंत ने अभ्यास नहीं किया। मीडिया से मुखातिब होने के दौरान शुभमन गिल ने कहा कि दुबई की परिस्थितियों को देखते हुए 30 से ज्यादा का स्कोर एक बहुत अच्छा स्कोर है। चारों ओर ओस नहीं होने के कारण, दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम ज्यादा दबाव में होगी। गिल ने आगे कहा कि, हम निश्चित रूप से सकारात्मक और आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। इस विकेट पर 300-325 का स्कोर बहुत अच्छा होगा। बीच के ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीतने की बेहतर संभावना होगी। भारत ने बांग्लादेश को हराकर टूर्नामेंट में अपने अभिया का आगाज किया। जबकि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। दुबई में ओस ने बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन गिल ने कहा कि इसका कोई फर्क नहीं पडेगा। दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज्यादा दबाव का सामना करना पड़ेगा।

कोहली का एक ही तरह की गेंदबाजी पर आउट होना चिंता का विषय : गावस्कर

नयी दिल्ली। सुनील गावस्कर का मानना है विराट कोहली का लगातार एक ही तरह से आउट होना भारत के लिए चिंता का विषय है जो 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की कवायद में लगा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ हाल में वनडे श्रृंखला के दौरान लेग स्पिनर आदिल रशीद के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए थे।

नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग

बगड़ की जीत में आदित्य का शानदार शतक

जयपुर, 22 फरवरी। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 4 नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में बगड़ क्रिकेट एकेडमी ने टाइगर्स कल्ब को 160 रनों से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बगड़ क्रिकेट एकेडमी के आदित्य ने 172 रन के सहयोग से शानदार शतक बनाया। संदीप यादव 61, ऋतिक राठौड़ 35, शुभम सिंह 34, अक्षत 24 रनों के सहयोग से 50 ओवर में नौ विकेट पर 400 रन बनाए। टाइगर्स कल्ब की ओर से सौरभ सिंह 4, विजय सिंह मीणा 3, गौरव सैनी, रुद्र सोनी ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइगर्स क्लब के युवा बल्लेबाज विजय सिंह मीणा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 106 रन बनाए। गौरव सैनी 58, आलोक गुर्जर के 13 रनों के सहयोग से 32 ओवर में 240 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बगड़ एकेडमी की ओर से हनी प्रताप सिंह, मोहम्मद इरफान ने 3-3 विकेट लिए। अजय कुमार 2, रोहन 1 विकेट लिया। मैच के मैन ऑफ द मैच आदित्य रहे।

राजस्थान यूथ ने एकतरफा मुकाबले में नीरजा मोदी को हराया

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने नीरजा मोदी एकेडमी को 8 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में नीरजा मोदी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिन देव सिंघल के 89 रन, सिद्धांत जायसवाल के 23 रन, पर्व झालानी के 13 रन, तरुण शर्मा के 10 रन से 38.5 ओवर में 164 रनों पर सिमट गईं।राजस्थान यूथ के कैफ गुडएज 37 पर 5, आदित्य झाला 35 पर 3, जतिन सैनी 35 पर 1 व रोहन सिंह 37 पर 1 ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने आर्यमन कटारिया 38 रन, भुवनेश शर्मा 31 रन, अभय शर्मा नाबाद 51 रन व जयंत ताम्बी नाबाद 42 रन ने मात्र 22 ओवर में 2 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच जीत लिया। नीरजा मोदी के लिए हर्षित शर्मा व तरुण वर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

पाकिस्तान में बजी 'जन गण मन' की धुन

लाहौर। आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में शनिवार को आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच से पहले तकनीकी खामी से पाकिस्तान के गद्दाफी स्टेडियम पर भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन शुरु हो गया हालांकि चंद सेकेंड में इस गलती को सुधार लिया गया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप 'बी' में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने पहले मुकाबले में एक दूसरे के सामने है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर परंपरा के अनुसार मैच से पहले दोनों देशों के राष्ट्रीय गान बजाए जाते हैं। इस दौरान इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान बजने थे, लेकिन तकनीकी गलती के कारण मैदान पर अचानक भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' बजने लगा। आयोजकों ने चंद सेंकेंड में इस गलती को सुधार लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि ग्रुप ए में रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच एक दूसरे के सामने होंगे।

दिल्ली ने टॉस जीता, यूपी को पहले बल्लेबाजी

बेंगलुरु, 22 फरवरी। दिल्ली कैपिटल्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आठवें मुकाबले में शनिवार को टॉस जीत कर यूपी वारियर्स को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। दिल्ली में अब अपने तीन मैचों में दो में जीत हासिल कर चुकी है जबकि यूपी को अभी जीत का खाता खोलना है। टीमें इस प्रकार हैं: यूपी वारियर्स महिला: किरण नवगिरे, दिनेश वृंदा, दीप्ति शर्मा (कप्तान), तालिया मैक्ठा, श्वेता सहरावत,ठोस हैरिस, शिनेल हेनरी, उमा छेत्री, सोफ़ी एकल्सटन, साइमा ठाकोर और क्रांति गौड़।

नेपाली क्लब और रॉयल फुटबॉल क्लब के बीच मैत्री फुटबॉल मैच

जयपुर, 22 फरवरी। आज इंडो नेपाल क्लब फुटबॉल फ्रेंडशिप सीरीज 2025 के तहत नेपाल से आए लीग डिवीजन क्लब मध्यपुर फुटबॉल एसोसिएशन ने रॉयल फुटबॉल क्लब के साथ रॉयल फुटबॉल स्टेडियम पर सीरीज का प्रथम मैच खेला। इस सीरीज का आयोजन हनुमान सिंह फाऊंडेशन के द्वारा किया जा रहा है जिसमें नेपाल और भारत के लीग डिवीजन स्तर के क्लब फुटबॉल खेल के माध्यम से भारत नेपाल के बीच सौहार्द को और मजबूत कर रहे हैं। यह राजस्थान में पहली बार हो रहा है कि राजस्थान के किसी क्लब से किसी अन्य देश का मान्यता प्राप्त क्लब आकर फुटबॉल सीरीज खेल रहा है। इस अवसर पर नेपाल क्लब के फाउंडर श्री उपेंद्र मानसिंह नेपाल राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान और कोच, राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत, भारतीय हैंडबॉल संघ के जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर तेजराज सिंह, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री अब्दुल जब्बार और रॉयल फुटबॉल क्लब के फाउंडर डॉ दिलीप सिंह चुंडावत उपस्थित रहे जिन्होंने दोनों टीमों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान फुटबाल संघ के सेक्रेटरी श्री दिलीप सिंह शेखावत और भारतीय हैंडबॉल संघ के जनरल सेक्रेटरी नाम श्री उपेंद्र मान सिंह जी का और उनकी टीम के सभी सदस्यों का स्वागत किया। उपेंद्र मानसिंह जी ने हनुमान सिंह फाऊंडेशन के संस्थापक डॉक्टर तेजराज सिंह और डॉ दिलीप सिंह चुंडावत संस्थापक रॉयल फुटबॉल क्लब का धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस मैत्री सीरीज का आयोजन कर दोनों देशों के खिलाड़ियों को अपना खेल और निखारने में मदद दी। मैच बहुत ही शानदार हुआ जिसमें दोनों टीमों ने अच्छे फुटबॉल का प्रदर्शन किया। मैच में नेपाली क्लब ने रॉयल फुटबॉल क्लब की अंडर 20 टीम को को तीन एक से हराया।

मदन राठौड़ भारतीय जनता पार्टी के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष घोषित

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, हर कार्यकर्ता विचारधारा का निर्वहन करता है

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ फिर से निर्विरोध राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी का दुप्पटा पहनाकर उनका स्वागत किया।

- निर्वाचन के बाद मदन राठौड़ ने कहा, भाजपा में एक पद के लिये कई योग्य उम्मीदवार हैं और यह भी हमारी पूँजी व धरोहर है।
- केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्वहन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है।

जयपुर, 22 फरवरी । भाजपा संगठन पर्व 2024 के तहत, शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य निर्वाचन बैठक में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चुनाव अधिकारी विजय भाई रूपाणी ने मदन राठौड़ को निर्विरोध भाजपा प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। शुक्रवार को एक मात्र नामांकन दाखिल होने के बाद नामांकन पत्रों की जांच और पार्टी संविधान तथा चुनावी नियमों के चलते, आधिकारिक रूप से शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद पर मदन राठौड़ का नाम घोषित किया गया।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चुनाव अधिकारी विजय भाई रूपाणी ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की घोषणा के साथ ही, 25 सदस्य राष्ट्रीय परिषद के भी घोषित किए। ये सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, डॉ. सतीश पूनिया, सीपी जोशी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा नेता ओंकार सिंह लखावत, नारायण पंचारिया, सीआर चौधरी, अलका गुर्जर, अनीता भदेल, अजय पाल सिंह, निर्मल कुमावत, प्रसनजीत मेहता, मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, अनीता गुर्जर, प्रभु लाल सैनी, रमेश यादव, जसवंत सिंह गुर्जर, रामकिशोर मीणा, प्रताप लाल और ओमप्रकाश के नाम शामिल हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव अधिकारी विजय रूपाणी ने कहा कि जनसंघ से लेकर जनता पार्टी और फिर भाजपा में अनेकों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। तब जाकर आज सशक्त भाजपा देश भर में मजबूती से उभर कर सामने आई है। रूपाणी ने भाजपा की कार्यशैली पर चर्चा करते हुए बताया कि भाजपा में 5 ''के'' पर कार्य किया जाता है, इनमें कार्यकर्ता, कार्यक्रम, कार्यालय, कोष और कार्य पद्धति शामिल है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संगठन और सरकार एक दूसरे के पूरक है। संगठन और सरकार जब कार्य करते हैं तो जनसेवा होती है। हमारे कार्यकर्ताओं ने अपनी कई पुरानी पीढ़ियां जनसंघ, जनता पार्टी और भाजपा के लिए खपा दीं। भाजपा विचारधारा वाली पार्टी है, इसका प्रत्येक कार्यकर्ता विचारधारा को साथ में लेकर अपने दायित्वों को पूरा करने में जुटा हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के कार्यकर्ताओं की टोली पर हमें विश्वास है। इन कार्यकर्ताओं की बदौलत हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के विजन को पूरा करेंगे।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मदन राठौड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि राठौड़ कर्मठ, समर्पित, संस्कारित, सेवाभावी और ईमानदार कार्यकर्ता हैं। इन सबके चलते ही देश के सबसे बड़े प्रदेश की जिम्मेदारी आप को मिली है। हम सभी को उम्मीद के साथ पूर्ण विश्वास है कि मदन राठौड़ सबको साथ लेकर चलेंगे।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि मदन राठौड़ ने 7 माह में अपनी मेहनत से, समर्पण भाव से, निष्ठा से, व्यवहार कुशलता से और जनता व कार्यकर्ताओं के साथ चरैवेति-चरैवेति के सिद्धांत पर कार्य किया।

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मैं आज के इस निर्वाचन कार्यक्रम में अपने सहयोगियों के उद्बोधन को पाथेय के रूप में सहेज कर रखूंगा। हमारी पार्टी में पद के लिए कई योग्य उम्मीदवार हैं, यह ही हमारी पूंजी है, यह ही हमारी धरोवर है। दायित्व तो एक को ही मिलेगा, लेकिन योग्य बहुत हैं। एक- एक कार्यकर्ता को तैयार करने के लिए संगठन बहुत कुछ दाव पर लगाता है। दायित्व जिसको मिलेगा, उसे अपना कत्तर्व्य मानकर पूरा करेगा।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्वहन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी है और भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, एक विचारधारा पर कार्य किया जाता है।

बैठक में संगठन पर्व प्रदेश संयोजक नारायण पंचारिया ने संगठन पर्व को लेकर प्रस्तावना रखी, वहीं संगठन पर्व चुनाव सह संयोजक सुशील कटारा ने मंच संचालन किया।

इस मौके पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, संगठन पर्व अपील अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी, सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत मंच पर उपस्थित रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी तथा अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैठक के बाद, भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी नारायण पंचारिया के साथ मिलकर सभी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की।

उलझता जा रहा है शशि थरूर का मसला कांग्रेस में

तिरुवनंतपुरम, 22 फरवरी। कांग्रेस में सब ठीक नहीं है। एक के बाद एक बड़े नेता पार्टी से दूर होते जा रहे हैं। अब मामला शशि थरूर का है। शशि थरूर ने राहुल गांधी से अपनी भूमिका के बारे में सवाल किया है। दरअसल शशि थरूर ने पीएम मोदी की तारीफ की। इसके बाद कांग्रेस ने शशि थरूर के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया। उनके खिलाफ कांग्रेस के मुखपत्र में लेख भी छपा। इसके बाद अब शशि थरूर कांग्रेस पर बरस पड़े।

- राहुल गांधी ने थरूर से बात तो की पर उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ नरमी बरतने के मूड में नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने थरूर से बातचीत तो की, लेकिन उनकी शिकायतों और सुझावों पर कोई ध्यान नहीं दिया। शशि थरूर ने राहुल गांधी से पार्टी में अपनी भूमिका स्पष्ट करने को कहा था। कुछ दिन पहले दिल्ली में हुई बातचीत में थरूर ने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। सुना है कि राहुल गांधी कोई ठोस वादा करने को तैयार नहीं थे, इसलिए थरूर इस बातचीत से नाखुश हैं।

महाशिवरात्रि पर कुंभ में भीड़ के लिये विशेष व्यवस्था होगी

प्रयागराज में प्रशासनिक स्तर पर सारे प्रयास किये जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो

- राज्य सरकार के निर्देश पर सभी अधिकारी - कर्मचारी ऑन फील्ड रहकर तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

महाकुंभनगर, 22 फरवरी। महाकुंभ का भव्य आयोजन अब अपने आखिरी पड़ावद्ध 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के आखिरी स्नान पर्व की ओर अग्रसर है, जिसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी रवीन्द्र मांदड़ ने शनिवार को बताया कि महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश-दुनिया से आकर डुबकी लगाएंगे, ऐसे में उनकी यह यात्रा सुखद रहे इस बात को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर तमाम तरीके के प्रयास किए जा रहे हैं। आखिरी स्नान पर्व को देखते हुए इन प्रयासों में तेजी लाई गई है।

रवीन्द्र मांदड़ के अनुसार, अधिकारी-कर्मचारी ऑन फील्ड रहकर मॉनिटर कर रहे हैं। वीकएंड्स, पीक डे व अवकाश के दिनों में ट्रैफिक डायवर्जन की स्कीम को पुलिस लगाती है। इसके लिए पुलिस के अधिकारियों को भी ब्रीफ करके सचेत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शहर के सभी बॉर्डर्स पर जिलों के साथ अच्छा समन्वय व तालमेल स्थापित किया जा रहा है।

मांदड ने बताया कि कहीं पर भी डायवर्जन लागू करने के लिए डीएम, एसपी से भी लगातार संवाद बना हुआ है।

'नीतीश कुमार के पुत्र राजनीति में आते हैं तो हमें कोई एतराज नहीं'

भागलपुर,22 फरवरी (वार्ता) बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं भूमि सुधार और राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत राजनीति में आएं या नहीं आएं,यह उनकी इच्छा है, इसमें भाजपा को कोई एतराज़ नहीं है।

- बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश पर परिवार वाद का आरोप कदापि नहीं लगेगा।

जायसवान ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चालीस साल से बिहार और देश में सक्रिय राजनीति में हैं, यदि वे चाहते तो इस दौरान अपने पुत्र को राजनीति में अवश्य लाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वे पूर्ण रुप से एक समाजवादी नेता रहे हैं। उनके पुत्र यदि अब राजनीति में आते हैं तो उनके पिता नीतीश कुमार पर परिवारवाद का आरोप कदापि नहीं लगेगा।

'महंगी और दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था का परिणाम है पेपर लीक'

बिहार के बहुचर्चित खान सर ने कहा कि लोग महंगी पढ़ाई पर खर्च करने के बजाय प्रश्न पत्र खरीदने में लाभ देखते हैं

- मैडिकल शिक्षा पर खान सर ने कहा कि सरकारी कॉलेज में कम शुल्क पर शिक्षा सुलभ हो जाती है जबकि निजी संस्थानों की फीस बहुत ज्यादा है। अतः छात्र चाहते हैं कि लाखों की फीस देने के बजाय उन्हें लीक हुआ पेपर मिल जाये।

मुंबई, 22 फरवरी। बिहार में कोचिंग सेंटर चलाने वाले चर्चित खान सर ने शनिवार को यहां कहा कि भारत में पेपर लीक की समस्या महंगी और दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था का परिणाम है और इसलिए लोग महंगी पढ़ ाई पर खर्च करने के बजाय प्रश्न-पत्र खरीदने में लाभ देखते हैं । वे एक टीवी समाचार चैनल द्वारा आयोजित एक चर्चा सत्र में भाग ले रहे थे।

ग्लोबल स्टडीज़ एण्ड खान जीएस रिसर्च सेंटर के संस्थापक खान सर ने जीवन-यापन के लिए पढ़ ायी-लिखाई के महत्व पर एक सत्र में पेपर लीक के मुद्दे पर भी विचार रखे। इस सत्र का विषय था-'द टवैंटी फर्स्ट सेंचुरी इंडियन- लर्निंग टू सरवाइव।'

उन्होंने शिक्षा प्रणाली की खामियों पर बात करते हुए मेडिकल कॉलेज की फीस में भारी अंतर की ओर इशारा करते हुए कहा, ''सरकारी कॉलेज बहुत कम शुल्क लेते हैं जिससे शिक्षा सुलभ हो जाती है। लेकिन वहीं निजी संस्थानों की फीस बहुत ज़्यादा होती है, इसलिए छात्र चाहते हैं कि उन्हें लाखों रुपए की फीस देने के बजाए लीक हुआ पेपर ही मिल जाए। भारत में शिक्षा इतनी महंगी है कि छात्र विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अकेला व्यक्ति 140 करोड़ लोगों के देश को नहीं बदल सकता, हमें अपने भीतर से बदलाव शुरू करना होगा। हमें तय करना होगा कि छात्र सिर्फ परीक्षा के लिए ही नहीं बल्कि अपने जीवन के लिए भी तैयार हों।'

उन्होंने कहा, हर छात्र को मजबूत भविष्य बनाने के लिए कोई स्किल सीखना चाहिए, फिर चाहे वह किसी भी कोर्स से जुड़ा हो। शिक्षा, एकेडमी से दायरे से बढ़ कर होनी चाहिए, छात्रों को रोज़गार क्षमता पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें हर साल नए कौशल सीखने चाहिए, फिर चाहे वह ड्राइविंग हो या कोई और चीज़। सही कौशल पाने से आपकी रोज़गार क्षमता बढ़ ती है।'

उन्होंने ऐडटेक कंपनियों की खामियों पर बात करते हुए कहा , इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर फीचर्स तो होते हैं, लेकिन शिक्षा के लिए फीचर्स के साथ-साथ अध्यापकों का होना भी ज़रूरी है।

'अगर तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय से अब तक कांग्रेस, तमिलनाडु की सत्ता से बाहर ही रही तथा वह निकट या दूरगामी भविष्य में इस राज्य की सत्ता में आने की आशा भी नहीं कर सकती। भाजपा, जो तमिलनाडु की राजनीति में फर्क लाने की उम्मीद करती है और भाषा के मुद्दे पर अपनी आक्रामक नीति जारी रखती है तो उसे राज्य में अपनी संभावनाओं की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। 1960 के दशक से, तमिलनाडु के लोगों ने कभी भी राष्ट्रीय पार्टियों को अपनी सरकार चलाने का मौका नहीं दिया।

रेत में दबने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग गया। अधिकारी ने बताया कि मलबे से एक लड़की और एक महिला को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और चालक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। मृतकों की पहचान सिल्लोड तहसील के गोलेगांव निवासी गणेश धनवाई (60) और उनके बेटे भूषण धनवाई (16) तथा जाफराबाद तहसील के पद्मावती निवासी सुनील सपकाल (20) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि अन्य दो पीड़ितों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

शक्तिकांत दास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में मुख्य रूप से फाइनेंस, टेक्सेशन, इन्वेस्टमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स में काम किया है। वे भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर बने और उन्होंने भारत के जी20 शेरपा तथा 15वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में भी काम किया है। बता दें कि शक्तिकांत दास पीएम मोदी के बेहद भरोसेमंद माने जाते हैं। शक्तिकांत दास आरबीआई के 25वें गवर्नर रह चुके हैं। दास ने 11 दिसंबर 2018 को उर्जित पटेल के बाद आरबीआई गवर्नर का पदभार संभाला था। पटेल के अचानक इस्तीफे के बाद दास की नियुक्ति हुई थी। शक्तिकांत दास आईएमएफ, जी 20 और ब्रिक्स जैसे इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म्स पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नोटबंदी और जीएसटी, जैसे बड़े सुधारों में दास ने अहम भूमिका निभाई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर रहते उन्होंने वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास पर फोकस किया। कोरोना महामारी के दौरान उनकी नेतृत्व क्षमता ने भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी सहारा दिया।

आज से मोदी एम.पी, बिहार व असम का दौरा करेंगे

- इस यात्रा में प्रधानमंत्री कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

नई दिल्ली, 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी कि 23 फरवरी से राज्यों के मैराथन दौरे पर रवाना हो रहे हैं। प्रधानमंत्री का दौरा 25 फरवरी को समाप्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश, बिहार और असम जाएंगे। जहां वे विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, साथ ही कई योजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पीएमओ से मिली जानकारी के अनुसार प्र.मंत्री मोदी सबसे पहले 23 फरवरी को मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की यात्रा करेंगे, जहां वह दोपहर करीब 2 बजे बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखेंगे।

इस संस्थान का उद्देश्य कैंसर सहित गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। संस्थान में अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं मिलेंगी, जिससे जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त उपचार मिल सकेगा।

छतरपुर के बाद 24 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 10 बजे भोपाल पहुंचेंगे। जहां वे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश केन्द्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अधिकारी और भारत के 300 से अधिक प्रमुख बिजनेस लीडर्स हिस्सा लेंगे।

इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी बिहार के भागलपुर जाएंगे, जहां दोपहर करीब सवा दो बजे वे प्रधानमंत्री किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना के तहत देशभर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने और उन्हें संगठित करने के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन के लक्ष्य को पूरा करने की घोषणा भी करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत निर्मित स्वदेशी नस्लों के लिए उत्कृष्टता केन्द्र का उद्घाटन करेंगे, जिसका उद्देश्य आधुनिक प्रजनन तकनीकों को बढ़ ावा देना और स्वदेशी नस्लों के संरक्षण को सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही, बरौनी में एक दुग्ध उत्पाद संयंत्र का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे 3 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को संगठित बाजार उपलब्ध होगा।

प्रधानमंत्री मोदी बिहार में बुनियादी ढ ांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे।

अब 19 मार्च को होगी किसान संगठनों के साथ केन्द्र सरकार की वार्ता

चंडीगढ़ , 22 फरवरी। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल और केन्द्र सरकार के बीच शनिवार (22 फरवरी) को चंडीगढ़ में छठे दौर की बातचीत भी बेनतीजा रही। ढ ाई घंटे चली मीटिंग में कोई हल नहीं निकला। अब अगली मीटिंग 19 मार्च को चंडीगढ़ में ही होगी। मीटिंग के बाद केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- बैठक अच्छे माहौल में हुई। हमने मोदी सरकार की प्राथमिकताएं किसानों के सामने रखीं।

कांग्रेस विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सदन में दूसरे दिन शनिवार को भी धरना जारी रहा। वार्ता विफल होने के बाद, अब सोमवार तक धरना जारी रहने की संभावना है। शनिवार और रविवार को विधानसभा की छुट्टी है। सोमवार को ही अब सदन चलेगा। ऐसे में धरना तब तक खिंचने के आसार बन गए हैं।

ट्रम्प का अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका की वर्तमान दिशा की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध से पहले के ब्रिटेन से करते हुए फर्ग्यूसन ने आशंका जताई कि आर्थिक प्रतिबंध 'डिफॉल्ट, मूल्यह्रास, और साम्राज्य के पतन' का कारण बन सकते हैं। वे जोर देते हैं कि केवल कट्टर सामाजिक कल्याण सुधार-जिन्हें लगातार प्रशासनों द्वारा नजरअंदाज़ किया गया है- वित्तीय पतन को रोक सकते हैं। इसके बिना, अमेरिका की उम्मीद एक अभूतपूर्व ''उत्पादकता चमत्कार'' ही हो सकती है। इस बीच, ट्रंप उच्च-स्तरीय कूटनीति में उलझे हुए हैं। जिस दिन फर्ग्यूसन की चेतावनी सुर्खियों में आई, उसी दिन खबर आई कि ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की पर रूस के साथ शांति के लिए खनिज संपत्तियों के समर्पण करने का दबाव डाला। इस डील, जिसे तीन साल के संघर्ष को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा था, ने कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। कुछ दिन पहले, ज़ेलेन्स्की ने घोषणा की थी, ''मैं यूक्रेन की रक्षा करता हूँ, मैं हमारे देश को नहीं बेच सकता।'' लेकिन शुक्रवार को उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारी कीव के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा, ''हम एक समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, उम्मीद है कि जल्दी ही समझौता हो जाएगा''। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बाद में पुष्टि की कि समझौता होने ही वाला है। बातचीत तनावपूर्ण थी। एक्सियोस ने रिपोर्ट किया कि ट्रंप, ज़ेलेन्स्की के प्रतिरोध से परेशान होकर, अमेरिकी सहायता को रोकने की धमकी दे रहे थे। सूत्रों का कहना है कि यूक्रेन नेता ने अमेरिकी वार्ता टीम, जिसमें ट्रंप, जे.डी. वेंस, मार्को रुबियो, ट्रेज़री सचिव स्कॉट बासेंट और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वॉल्ट्स शामिल थे, की धैर्य की सीमा समाप्त कर दी पर अन्ततः यूक्रेन के राष्ट्रपति समझौते के लिए सहमत हो गए।

ट्रंप ने लंबे समय से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने और विदेशी उलझनों से बचने को अपने दूसरे कार्यकाल के एजेंडे के रूप में प्रस्तुत किया है। लेकिन फर्ग्यूसन चेतावनी देते हैं कि यदि अमेरिका अपने कर्ज संकट का समाधान नहीं करता, तो केवल ये रणनीतिक बदलाव पतन को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। वे सुझाव देते हैं कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र का भविष्य दांव पर है।

ट्रम्प के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी, आदेश पर राय जाति, जातीयता और आयु के आधार पर भिन्न हैं। श्वेत रिपब्लिकन सबसे अधिक समर्थन दिखाते हैं, जिनमें 77 प्रतिशत इसका समर्थन करते हैं। एशियाई रिपब्लिक के बीच यह समर्थन 63 प्रतिशत है।

कम से कम आठ मुकदमे पूरे देश में ट्रम्प के निर्देश को चुनौती देने के लिए अदालतों में दायर किए गए हैं। उनका कार्यकारी आदेश इमिग्रेशन को कठोर करने का प्रयास है, जो

इम्मिग्रेशन को कड़ा करने के प्रयास के रूप में आया था, जैसा कि उन्होंने अपने चुनाव अभियान में वादा किया था। यह आदेश उन बच्चों को अमेरिकी नागरिकता से वंचित करता है जो देश में अवैध रूप से या अस्थायी रूप से वीज़ा पर आई माताओं से पैदा हुए हैं और जिनके पिता न तो, अमेरिकन नागरिक हैं और न ही कानूनी निवासी हैं।

संघीय न्यायाधीशों द्वारा ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ दिए गए निर्णय 1898 के सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय, संयुक्त राज्य अमेरिका बनाम वोंग किम आर्क पर आधारित हैं, जिसमें अदालत ने चीनी आप्रवासियों से जन्मे व्यक्ति को संविधान के तहत नागरिकता प्राप्त बताया था।

तेलंगाना : सुरंग की छत गिरने से 8 मजदूर फंसे

- भारतीय सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स भी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद कर रही है।

हैदराबाद/दिल्ली, 22 फरवरी। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को कहा कि श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढ ह जाने से आठ व्यक्ति अंदर फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उन्हें बचाने के लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं, एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को फोन किया और सुरंग में फंसे कर्मियों को सुरक्षित निकालने पर चर्चा की। उन्होंने बचाव प्रयासों में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। जिस टनल में यह हादसा हुआ है, उसकी कुल लंबाई 44 किलोमीटर की है। जहां पर हादसा हुआ है, उस स्थान की हैदराबाद से कुल दूरी 120 किमी की है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भारतीय सेना की इंजीनियर टॉस्क फोर्स को मोबालाइज किया गया है।

नागरकुरनूल जिले में दुर्घटना स्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए सिंचाई मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विशेषज्ञों की मदद ले रही है, जिनमें पिछले साल उत्तराखंड में हुई एक घटना (सिलक्यारा सुरंग हादसे) में फंसे श्रमिकों को बचाने वाले विशेषज्ञ भी शामिल हैं। उन्होंने भारतीय सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से भी मदद मांगी है। सुरंग में फंसे लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर और चार श्रमिक शामिल हैं।

उत्तराखंड के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)3

जीत के बाद त्रिवेन्द्र सिंह रावत मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद तीरथ सिंह रावत और पुष्कर सिंह धामी राज्य के मुख्यमंत्री बने।

2009 के सी.ए.एम.पी.ए. दिशा निर्देशों के अनुसार, धन प्राप्त होने के बाद राज्य को उसी वर्ष या दो कृषि सत्रों के भीतर वनरोपण कार्य पूरा करना चाहिए था। रिकॉर्ड की जाँच में सामने आया कि 37 मामलों में वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने के आठ साल से अधिक समय के बाद क्षतिपूर्ति वनरोपण कार्य शुरु किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप लागत में 11.54 करोड़ रूपये की वृद्धि हुई। सी.ए.जी. को, एनुअल प्लैन ऑफ ऑपरेशन्स में, नीचे से ऊपर की विफल योजना तथा अनियमित वस्तुएं शामिल करने के लिए मनमाना दृष्टिकोण अपनाए जाने के उदाहरण मिले। सी.ए.जी. ने सिफारिश की है कि राज्य प्राधिकरण को नियंत्रण रखना चाहिए और मजबूत वित्तीय प्रबंधन के लिए उचित बजटीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए, ताकि फंड के दुरुपयोग या डायवर्ज़न को रोका जा सके।

''एडहॉकिज़्म'' कार्यवाहक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उल्लेखनीय है कि सूची जारी होने के बाद इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.) की ओर से राज्यपाल को चिट्ठियां लिखी गईं कि आर.यू.एच.एस. जैसी प्रतिष्ठित संस्थान में केवल राजस्थान के ही एक मैडिकल एजुकेशन प्रोफेशनल को ही कुलपति के पद पर नियुक्त किया जाए।

संभवतः आई.एम.ए. ने राज्यपाल को डॉ. प्रमोद गोविन्द राव येवले के मुद्दे पर पत्र लिखा था, क्योंकि डॉक्टर येवले प्रशिक्षित डॉक्टर नहीं। जहां तक सर्च समिति की सूची में स्थानीय डॉक्टरों का सवाल है तो आठ डॉक्टरों की सूची में से चार डॉक्टर राजस्थान से हैं। इनमें जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉक्टर वी.बी. सिंह, एस.एम.एस. के पूर्व प्रिंसिपल व अधीक्षक और आर.यू.एच.एस. के प्रिंसिपल रह चुके डॉक्टर राजेश शर्मा, एस.एम.एस. के एडिशनल प्रिंसिपल डॉक्टर एस.एम. शर्मा और आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज उदयपुर के पूर्व प्रिंसिपल डॉक्टर लाखन ओसवाल शामिल हैं। अत्यन्त ही हैरान करने वाली बात है कि उपयुक्त डॉक्टरों की कमी न, होने के बावजूद राज्य सरकार आर.यू.एच. एस. का संचाल एक अयोग्य और कार्यवाहक वी. सी. से करवाने पर उतारू है, और नई नियुक्ति नहीं कर रही है। इस संदर्भ में राज्यपाल की ओर से भी तीखी टिप्पणी करते हुए शिक्षा विभाग को पत्र लिखा गया था। इस पत्र में राज्यपाल द्वारा गंभीर आरोप भी लगाए गए थे कि (1) आर.यू.एच.एस. के अस्थाई वी. सी. ने उनके निर्देश की अवमानना करते हुए चयन समिति में विश्वविद्यालय के बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित सदस्यों की सूचना नहीं भिजवाई है, (2) विश्वविद्यालय के बोर्ड द्वारा नाम निर्देशित सदस्यों के सम्बन्ध में निर्धारित समय अवधि में कार्यवाही नहीं की गई, (3) आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक वी. सी. द्वारा राज्यपाल के पत्र, जिसमें स्थाई कुलपति की नियुक्ति की जानकारी मांगी गई थी, उसे भी तीन दिवस के निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं किया गया था।

राज्यपाल द्वारा इतने गंभीर आरोप लगाए जाने के बावजूद डॉक्टर धनन्जय अग्रवाल को उनके अस्थाई पद से हटाकर एक स्थाई कुलपति की नियुक्ति नहीं किया जाना, ऐसा दर्शाता है कि डॉक्टर अग्रवाल को राज्य सरकार के किसी अत्यन्त ही प्रभावशाली व शक्तिशाली व्यक्ति का समर्थन प्राप्त है।

यह तथ्य इसलिए भी चौंकाने वाला है, क्योंकि आर.यू.एच.एस. मुख्यमंत्री भजन लाल के निर्वाचन क्षेत्र में ही आता है, और मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुसार, आर.यू.एच.एस. को 'एम्स' की तर्ज पर विकसित किया जाना है, परन्तु, एक अस्थाई वी. सी. के रहते हुए प्रभावशाली निर्णय कैसे लिये जा सकेंगे, क्योंकि न तो वर्तमान अस्थाई वी. सी. के पास ऐसा कार्यभार संभालने का अनुभव है और न ही पद के लिए आवश्यक योग्यता ,और अगर अदालत में इनकी नियुक्ति को चुनौती दी गई तो किसी भी दिन वर्तमान अस्थाई वी. सी. को हटाया भी जा सकता है।

शिक्षा सचिव, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपार्जित अवकाश का लाभ भी प्रभावित हो रहा है। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर खंडपीठ ने अक्टूबर 2023 में राज्य सरकार व संबंधित विभागों को निर्देश दिया था कि याचिकाकर्ताओं को भी एक वेतन वृद्धि सहित अन्य सेवा परिलाभ दिए जाए। इस पर याचिकाकर्ताओं को तय समय पर सेवा परिलाभ नहीं दिए गए। इसे अवमानना याचिका में चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता 30 जून 2019 को रिटायर हुए थे। ऐसे में उन्हें वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ ही सेवा परिलाभ भी तभी से मिलने चाहिए थे। राज्य सरकार ने उन्हें एक जुलाई को दी जाने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दे दिया, लेकिन अंतिम वेतन वृद्धि के अन्य लाभ नहीं दिए हैं। इसलिए पूर्व में दिए अदालती आदेश की पालना कराई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908